डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

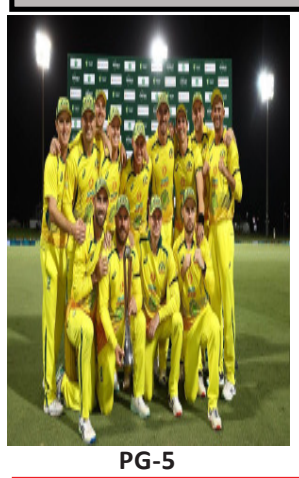

PG-5

आधुनिक समाचार

PG-8

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सिनेमाः-महेश बाबू की मां का हुआ निधन हैदराबाद अस्पताल में चल रहा था इलाज

वर्ष -08 अंक -179 | प्रयागराज, गुरुवार, 29 सितम्बर, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

पीएफआई पर केंद्र सरकार का एक्शन

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। आतंकी फंडिंग के मामले में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर तगड़ी चोट लगी है। केंद्र सरकार ने पीएफआई पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसे गैरकानूनी संस्था करार दिया गया है। केंद्र सरकार की तरफ से जारी अधिसूचना के मुताबिक, पीएफआई पर पांच साल का प्रतिबंध लगाया गया है। सरकार ने पीएफआई के अलावा इसके सहयोगी संगठन रिहैब इंडिया फाउंडेशन कैंपस फ्रंट ऑफ इंडिया ऑल इंडिया इमाम काउंसिल नेशनल कॉन्फेडरेशन ऑफ ह्यूमन राइट्स ऑर्गनाइजेशन , नेशनल विमेंस फ्रंट, जूनियर फ्रंट, एम्पावर इंडिया फाउंडेशन पर भी प्रतिबंध लगाया है। पीएफआई और अन्य संगठनों पर प्रतिबंध के बाद कई नेताओं की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। भाजपा महासचिव अरुण सिंह ने सरकार के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि पीएफआई ने कई राज्यों में आतंकी घटनाओं के जरिए देश में हिंसा फैलाई है। इसीलिए हम फैसले का स्वागत करते हैं।

शिवसेना के मुद्दे पर मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा

(आधुनिक समाचार सेवा)

गांधीनगर। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को बड़ा झटका लगा। शीर्ष अदालत ने सुनवाई के दौरान चुनाव की कार्रवाई पर रोक लगाने वाली उद्धव ठाकरे की याचिका को खारिज करते हुए चुनाव आयोग को यह तय करने की अनुमति दे दी कि उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे गुट के बीच किसको असली शिवसेना पार्टी के रूप में मान्यता दी जाए और धनुष और तीर का चिन्ह आवंटित किया जाए। इस मामले पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि चुनाव आयोग इस मामले पर बहुमत के नियम के आधार पर चुनाव चिन्ह को आवंटित करेगा।

10 हजार करोड़ से होगा तीन रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास कैबिनेट ने प्रस्ताव को दी मंजूरी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को तीन प्रमुख रेलवे स्टेशनों - नई दिल्ली, अहमदाबाद और सीएसएमटी, मुंबई के पुनर्विकास के भारतीय रेलवे के प्रस्ताव को

मंजूरी दे दी है। इस परियोजना में लगभग 10,000 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है। यह जानकारी केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को दी। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि नई दिल्ली, छत्रपति शिवाजी और अहमदाबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए 10, 000 हजार करोड़ रुपये अनुमोदन राशि की कैबिनेट ने स्वीकृति दे दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'नई दिल्ली रेलवे स्टेशन बसों, ऑटो और मेट्रो रेल सेवाओं के साथ ट्रेन सेवाओं को एकीकृत करेगा। अहमदाबाद रेलवे स्टेशन का नया स्वरूप मोडेरा के सूर्य मंदिर से प्रेरित है।और एएसआई के हेरिटेज भवन में बदलाव नहीं किया जाएगा, उसके आसपास की इमारतों का पुनर्विकास किया जाएगा।' केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस कान्फ्रेंस कर कहा, 'केंद्र सरकार ने नई दिल्ली, छत्रपति शिवाजी और अहमदाबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए 10,000 करोड़ रुपए अनुमोदन राशि स्वीकृति दी है। अभी कुल 199 रेलवे स्टेशन के पुनर्निमाण का कार्य भी चल रहा है।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, रेलवे स्टेशन, अहमदाबाद रेलवे स्टेशन सहित कुल 199 स्टेशनों के पुनर्विकास की लागत 60,000 करोड़ रुपये होगी। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को अगले तीन महीने (अक्टूबर 2022-दिसंबर 2022) के लिए बढ़ाने को मंजूरी दी है। अगले तीन महीनों में लगभग 122 एलएमटी खाद्यान्न देश भर के 80 करोड़ से ज़्यादा गरीबों को मिलेगा मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को अगले तीन महीने (अक्टूबर 2022-दिसंबर 2022) के लिए बढ़ाने को मंजूरी दी है केंद्रीय कैबिनेट ने भी केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशन भोगियों के लिए महंगाई भत्ते में की वृद्धि करने का फैसला किया है।

राहुल गांधी ने 21वें दिन शुरू की भारत जोड़ो यात्रा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा मंगलवार को केरल के मलप्पुरम जिले में प्रवेश कर गई है। इस यात्रा में सैकड़ों पार्टी

कार्यकर्ता और समर्थक राहुल गांधी के साथ चल रहे हैं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ 21वें दिन मलप्पुरम पांडिकड से 'भारत जोड़ी यात्रा' शुरू की। इससे पहले सोमवार को असम के धुबरी जिले के राजीव भवन में भारत जोड़ो यात्रा पर चर्चा के लिए एक बैठक के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं के दो समूहों के बीच झड़प हो गई थी। यह घटना असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कुछ नेताओं की मौजूदगी में हुई थी। बता दें कि कांग्रेस की 3,570 किलोमीटर की भारत जोड़ो यात्रा है। यह 150 दिन तक चलेगी। यह यात्रा 7 सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुई थी। जम्मू-कश्मीर में यह समाप्त होगी। 10 सितंबर को केरल में प्रवेश करने वाली यह यात्रा राज्य में 450 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। 1 अक्टूबर को यह यात्रा कर्नाटक में प्रवेश करेगी। इस दौरान यह 19 दिनों में कर्नाटक के सात जिलों को छूएगी। बता दें कि कांग्रेस का भारत जोड़ो यात्रा मिशन कन्याकुमारी से कश्मीर तक का 3,500 किलोमीटर का मार्च 150 दिनों में पूरा होगा और 12 राज्यों को कवर करेगा। केरल से होते हुए यह यात्रा 30 सितंबर को कर्नाटक पहुंचेगी। यह उत्तर की ओर बढ़ने से पहले 21 दिनों के लिए कर्नाटक में होगी। यह पैदल मार्च प्रतिदिन 25 किमी की दूरी तय करेगी। फिलहाल यह यात्रा केरल में है और 29 सितंबर को कर्नाटक में प्रवेश करेगी।

भगत सिंह की 115वीं जयंती पीएम मोदी बोले- 'हमें बहुत प्रेरित करता है उनका साहस'

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। देश की आजादी में अहम भूमिका निभाने वाले महान क्रांतिकारी शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह की आज 115वीं जयंती है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह को याद किया है। पीएम मोदी ने भगत सिंह से जुड़ा एक वीडियो शेयर कर उन्हें श्रद्धांजलि दी है। पीएम मोदी ने किया भगत सिंह को याद पीएम मोदी ने ट्वीट कर लिखा कि मैं शहीद भगत सिंह को उनकी जयंती पर नमन करता हूं। उनका साहस हमें बहुत प्रेरित करता है। हम अपने राष्ट्र के लिए उनके दृष्टिकोण को साकार करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भगत सिंह की 115वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। अमित शाह ने कहा कि भारत की स्वाधीनता और सुनहरे कल के लिए हंसते-हंसते अपना जीवन बलिदान कर देने वाले अमर शहीद भगत सिंह की जयंती पर उनके चरणों में नमन करता हूं। देशभक्ति, साहस व राष्ट्र समर्पण की मिसाल उनका जीवन युगों-युगों तक देशवासियों को 'राष्ट्र हित सर्वोपरि' की प्रेरणा देता रहेगा। साथ ही केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी शहीद भगत सिंह को याद किया। उन्होंने पीएम मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मन की बात के 93वें एपिसोड में पीएम मोदी ने कहा था कि महान स्वतंत्रता सेनानी को श्रद्धांजलि के रूप में यह निर्णय लिया गया है कि चंडीगढ़ हवाई अड्डे का नाम अब शहीद भगत सिंह के नाम पर रखा जाएगा। चंडीगढ़ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नामकरण समारोह में शामिल होने की खुशी है। बता दें कि शहीद-ए-आजम भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर 1907 को पाकिस्तान के पंजाब में स्थित लयालपुर के बांगा गांव के एक सिख परिवार में हुआ था। भगत सिंह को जब फांसी दी गई थी, तो उनकी उम्र महज 23 वर्ष थी। उनकी शहादत के बाद देशवासियों ने आजादी की लड़ाई में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया था।

अमेरिका के अफगानिस्तान से जाने के बाद बढ़ी मादक पदार्थों की तस्करी

(आधुनिक समाचार सेवा)

मुंबई। भारतीय नौसेना के एक शीर्ष अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि अगस्त, 2021 में अफगानिस्तान खासकर हिंद महासागर क्षेत्र से अमेरिकी सैनिकों के निकल जाने के बाद से मादक पदार्थों की तस्करी में बड़े पैमाने पर वृद्धि हुई है। ज्यादातर नशीले पदार्थ

अफगानिस्तान, पाकिस्तान और ईरान से आ रहे हैं। युवा पीढ़ी और समाज पर इसके गंभीर प्रभाव हो रहे हैं। पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल अजेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र में चीन के कारोबारी जहाजों के अलावा उसके युद्धपोतों, शोध संबंधी जहाजों और मछली पकड़ने वाली नौकाओं की मौजूदगी पिछले एक दशक में कई गुना बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि भारत के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) में तो नहीं, लेकिन डाउनस्ट्रीम में व्यापक पैमाने पर मछली पकड़ने के हानिकारक प्रभाव के मद्देनजर सभी तटीय देशों को समन्वित कार्रवाई करनी चाहिए। वह यहां आब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक सेमिनार 'अरेबियन सी डायलाग' में एक सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने 24 फरवरी को शुरू हुए रूस-यूक्रेन युद्ध को एक ऐतिहासिक घटना करार दिया, जिसने वैश्विक भू-राजनीति और विश्व आर्थिकी में बदलाव शुरू कर दिया है। अपने संबोधन में वाइस एडमिरल सिंह ने कहा कि दो दशक बाद अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी ने एक बार फिर क्षेत्र में अस्थिरता पैदा कर दी है और स्थिति नियंत्रित होने में कुछ समय लगेगा। उन्होंने कहा, 'हमारे जहाज मकरान तट से लेकर मालदीव तक समुद्र में मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए नियमित अभियान चलाते हैं और इस दौरान करोड़ों डालर के प्रतिबंधित मादक पदार्थ जब्त किए जाते हैं। हमारे विचार से ये अभियान क्षेत्र में आतंकी गतिविधियों की नींव को कमजोर करेंगे और उनके वित्त पोषण को खत्म कर देंगे।

मिथुन ने फिर किया दावा तृणमूल के 21 नहीं इतने विधायक भाजपा के संपर्क में

(आधुनिक समाचार सेवा)

कोलकाता। बंगाल में पिछले साल विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा में शामिल होने वाले दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने मंगलवार को एक बार फिर दावा किया कि सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 38 विधायक भाजपा के संपर्क में हैं, उनमें से 21 सीधे उनके संपर्क में हैं। मिथुन ने पिछले साल विधानसभा चुनाव से पहले की तरह एक बार फिर कई तृणमूल विधायकों के भाजपा में शामिल होने की संभावना जताई है। हुगली जिले में दुर्गा पूजा पंडाल के उद्घाटन के अवसर पर संवाददाताओं से बात करते हुए मिथुन ने दावा किया कि इनमें से कई ऐसे विधायक हैं जो तृणमूल में घुटन महसूस कर रहे हैं। उन्होंने साथ ही विश्वास दिलाते हुए दावा किया कि तृणमूल में सभी चोर नहीं हैं। बता दें कि दो महीने के भीतर यह तीसरी बार है जब मिथुन ने तृणमूल के 21 विधायकों के सीधे उनके संपर्क में होने का दावा किया है। इससे पहले बीते शनिवार को कोलकाता स्थित भाजपा कार्यालय में मिथुन ने दुर्गा पूजा को लेकर पार्टी नेताओं के साथ सांगठनिक बैठक के बाद कहा था कि तृणमूल के 21 विधायक उनके सीधे संपर्क में हैं।

लेस्टर के दंगे के लिए प्रधानमंत्री मोदी को जिम्मेदार ठहराने से भड़के पूर्व नौकरशाह

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। ब्रिटेन के लेस्टर में भड़के सांप्रदायिक दंगे के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जिम्मेदार ठहराने की कोशिश को लेकर देश के पूर्व नौकरशाहों ने तीखी आपत्ति जताई है। लगभग 100 पूर्व नौकरशाहों ने सार्वजनिक चिट्ठी जारी कर लिबरल-लेफ्ट विचारधारा के बुद्धिजीवियों की प्रधानमंत्री मोदी को बदनाम करने की सोची समझी साजिश करार दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री पर विभाजनकारी राजनीति के आरोपों का विरोध करते हुए कहा कि मोदी सरकार पिछले आठ सालों से सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र पर काम रही है और उसकी नीतियों

में जाति, धर्म और नस्ल के आधार पर किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं किया गया है। दरअसल पिछले दिनों लेफ्ट-लिबरल बुद्धिजीवी प्रताप भानु मेहता के एक आलेख में प्रधानमंत्री मोदी की देश के भीतर विभाजनकारी नीतियों को लेस्टर दंगे के लिए जिम्मेदार ठहराया था। पूर्व नौकरशाहों ने इस लेख के पीछे पीएम मोदी के खिलाफ व्यक्त की गई नफरत को असली वजह बताया। उनके अनुसार इस आलेख में लेस्टर दंगे के अहम तथ्यों को नजरअंदाज कर प्रधानमंत्री मोदी को बदनाम करने की कोशिश की गई है। उनके अनुसार ब्रिटिश पुलिस और वहां के सांसदों ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि हिंसा के पीछे कट्टरपंथी मुसलमानों का हाथ था और भारत-पाकिस्तान के बीच मैच को इसके लिए इस्तेमाल किया गया।

घोटाले में संजय राउत के वकील का दावा, शिवसेना नेता के खिलाफ कोई सबूत नहीं

(आधुनिक समाचार सेवा)

मुंबई। शिवसेना के राज्यसभा सदस्य संजय राउत के वकील ने एक विशेष कोर्ट में कहा कि मुंबई के पत्रा चाल के पुनर्विकास में हुई अनियमितताओं से राउत का कोई लेना-देना नहीं है। इस मामले में

उनके खिलाफ कोई सुबूत नहीं है। पीएमएलए कोर्ट ने राउत के वकील अशोक मुंदारगी की दलीलें सुनीं। कोर्ट ने ईडी द्वारा दलील पेश करने के लिए समय मांगे जाने पर राउत की जमानत अर्जी पर सुनवाई 10 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी। राउत को पत्रा चाल के पुनर्विकास से जुड़े मनी लांड्रिंग के मामले में अगस्त में गिरफ्तार किया गया था। गोरेगांव में स्थित सिद्धार्थ नगर को पत्रा चाल के नाम से जाना जाता है। 47 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में स्थित इस इलाके में करीब 672 घर हैं। महाराष्ट्र गृह निर्माण व क्षेत्र विकास प्राधिकरण ने 2008 में चाल का पुनर्विकास करने की परियोजना गुरु आशीष कंस्ट्रक्शंस प्राइवेट लिमिटेड (जीएसीपीएल) को सौंपी थी, जो हाउसिंग डेवलपमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की एक सहायक कंपनी है। जीएसीपीएल को 672 फ्लैट का निर्माण करना था। शेष भूमि को जीएसीपीएल के अपने विकास कार्यों के लिए निजी डेवलपर को बेचना था। कंपनी ने न तो चाल को पुनर्विकसित किया और न ही फ्लैट का निर्माण किया।

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री गिरीश महाजन के खिलाफ रंगदारी के आरोपों की सीबीआइ करेगी जांच

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के मंत्री गिरीश महाजन पर मारपीट और रंगदारी मांगने के आरोपों की जांच अब सीबीआइ करेगी। ये आरोप जलगांव स्थित एक शिक्षण न्यास के निदेशक ने लगाए हैं। उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 22 जुलाई को महाजन के खिलाफ सीबीआइ जांच की सिफारिश की थी। राज्य के गृह विभाग की जिम्मेदारी फडणवीस के पास ही है। संबंधित अधिकारियों ने बताया कि सीबीआइ नए सिरे से मामला दर्ज करेगी। इस मामले में सबसे पहले जलगांव पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की थी। पिछले साल पांच जनवरी को जांच पुणे पुलिस ने अपने हाथ में ले ली थी।प्राथमिकी पुणे स्थानांतरित की गई, क्योंकि यह मामला पुणे शहर से जुड़ा था।

पुलिस ने इस मामले में महाजन सहित 28 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। जलगांव जिला मराठा विद्या प्रसारक सहकारी समाज के निदेशक विजय पाटिल ने दिसंबर 2020 में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पाटिल ने पुलिस को बताया कि 2018 में वह और उनके सहयोगी अपने बड़े भाई नरेंद्र पाटिल, जो संस्थान के अध्यक्ष थे के निर्देश पर अपने पूर्व सचिव तानाजी भोते से संस्थान के पुराने रिकार्ड लेने के लिए पुणे गए थे। जब वे पुणे में थे, तब एक आरोपित नीलेश भोइते ने पाटिल से कहा कि वह उन्हें संस्थान सौंप दें, क्योंकि महाजन की इसमें रुचि है। प्राथमिकी के अनुसार, उसने महाजन को वीडियो काल भी की, जिन्होंने पाटिल से कहा कि सभी निदेशक अपना इस्तीफा दे दें और जिम्मेदारी नीलेश भोइटे को सौंप दें।

गर्भपात को लेकर केरल हाई कोर्ट का अहम फैसला

(आधुनिक समाचार सेवा)

कोच्चि। केरल हाई कोर्ट ने मंगलवार को एक अहम आदेश दिया। कोर्ट ने पति से अलग रह रही महिला को अपने 21 सप्ताह के गर्भ को गिराने की अनुमति दे दी। जस्टिस वीजी अरुण ने कहा कि गर्भपात के लिए मेडिकल टर्मिनेशन आफ प्रेगनेंसी एक्ट (एमटीपी एक्ट) के तहत पति की सहमति जरूरी नहीं है। एमटीपी अधिनियम के नियमों के अनुसार, 20 से 24 सप्ताह के गर्भ को खत्म करने की अनुति दी जाती है अगर गर्भावस्था के दौरान वैवाहिक स्थिति में परिवर्तन (पति की मृत्यु या तलाक) होता है। अदालत ने इस बात को भी इंगित किया कि अगर गर्भवती महिला को कानूनी तौर पर तलाक नहीं दिया गया है या वह विधवा नहीं हुई है, तो भी उसके पति के साथ बदले हुए समीकरण, उसके विरुद्ध आपराधिक शिकायत और पति की उसके साथ रहने की अनिच्छा प्रदर्शित करना भी उसके वैवाहिक जीवन में परिवर्तन माना जाएगा। अदालत ने कहा कि अधिनियम में गर्भपात कराने के लिए महिला को अपने पति की सहमति की जरूरत नहीं है। याचिकाकर्ता जब स्नातक कर रही थी तब उसने बस कंडक्टर के साथ अपने परिवार की मर्जी के विरुद्ध शादी कर ली थी। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि शादी के बाद पति और उसकी मां ने दहेज की मांग की और उसके साथ खराब व्यवहार किया।महिला ने यह भी आरोप लगाया कि उसके पति ने अजन्मे बच्चे के पितृत्व पर सवाल उठाया और आर्थिक या भावनात्मक मदद करने से इन्कार कर दिया था। जब वह गर्भपात कराने के लिए स्थानीय क्लीनिक में गई, डाक्टरों ने उसे मना कर दिया क्योंकि उसके पास पति से अलग होने/तलाक को साबित करने के लिए कोई कानूनी दस्तावेज नहीं था। इसके बाद उसने अपने पति के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

बीआरसी जसरा में शिक्षक सीख रहे पढ़ाने के गुण

(आधुनिक समाचार सेवा)

(जसरा) प्रयागराज। विकासखंड जसरा के बीआरसी में मंगलवार को खंड शिक्षा अधिकारी अखिलेश वर्मा के नेतृत्व में निपुण भारत कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षकों का चार दिवसीय निपुण भारत शिक्षक

प्रशिक्षण का चतुर्थ चरण सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण में शिक्षकों को 22 सप्ताह के लिए शैक्षिक गतिविधियों के द्वारा प्री-प्राइमरी से कक्षा 3 तक के बच्चों को पढ़ाने का तरीका सिखाया गया।जिसमें वार्षिक, साप्ताहिक व दैनिक कार्य योजना बनाते हुए निर्धारित लक्ष्य को मार्च 2026 तक सभी बच्चों को प्राप्त करने के लिए निर्देशित किया गया। संदर्भ दाता के रूप में विकासखंड जसरा के पांच एआरपी गिरीश चन्द्र सिंह, महेंद्र प्रताप सिंह, सतीश कुमार कुशवाहा, जितेंद्र मिश्र ,प्रमोद मिश्र ने प्रशिक्षण दिया। तकनीकी सहायक के रूप में शैलेंद्र कुमार व कृष्ण मोहन ने सहयोग किया । प्रशिक्षण में मुख्य रूप से सुमंत भार्गव ,उपेंद्र कुमार द्विवेदी ,अब्दुल कुद्दूश खाँ,विनय कुमार पाण्डेय, दशरथ लाल भारती, देवेंद्र सिंह, शशिप्रभा, मन देवी, वंदना श्रीवास्तव, शशी सिंह, दीप्ति सिंह सहित कुल 100 शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

पांच अक्टूबर से मतदाता सूची तैयार करने का होगा काम

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। नगर निगम चुनाव के लिए मतदाता सूची में नाम शामिल

कराने का काम पांच अक्तूबर से शुरू होगा। परिसीमन जारी होने के बाद अब नए मदाताओं का सूची में नाम शामिल करने की कवायद शुरू हो गई है। जिलाधिकारी ने निकाय चुनाव के सहायक निर्वाचन अधिकारी को इसके लिए सभी तैयारियों को पूरा करने का निर्देश दिया है। मतदाता केंद्रों पर विशेष अभियान भी चलाया जाएगा। विस्तृत कार्यक्रम के लिए चार अक्तूबर को सभी अफसरों के साथ बैठक होगा इस बीच परिसीमन के बाद आई आपत्तियों का निस्तारण कर वार्डो की सूची जारी कर दी गई है। वार्डो में पिछड़ी जाति का रैपिड सर्वे भी पूरा हो चुका है। अब वार्डों का आरक्षण तय होगा।

गेट तोड़ने, चीफ़ प्रॉक्टर से मारपीट करने के मामले में छात्रों पर मुकदमा

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के चीफ प्रॉक्टर प्रोफेसर हर्ष कुमार ने फीस वृद्धि को लेकर बवाल करने वाले छात्रों पर केस दर्ज कराया है। चीफ प्रॉक्टर ने कर्नलगंज थाने में तहरीर दी है। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि उग्र छात्रों ने छात्रसंघ भवन के मुख्यद्वार का ताला बलपूर्वक तोड़ दिया। सुरक्षाकर्मियों के रोकने पर उनके साथ धक्कामुक्की, गालीगलौज करते हुए मारपीट की। हर्ष कुमार का आरोप है कि छात्रों ने उनके साथ भी अभद्रता की। चीफ प्रॉक्टर ने आरोप लगाया कि आयुष और सत्यम ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। कुलानुशासक हर्ष कुमार की तहरीर पर पुलिस ने सत्यम कुशवाहा, आदर्श सिंह भदौरिया, आयुष प्रियदर्शी, जितेंद्र धनराज व 50-60 अज्ञात पर मुकदमा दर्ज किया है।

सिविल लाइंस की मल्टीलेवल पार्किंग का संचालन करेगी निजी एजेंसी

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। सिविल लाइंस स्थित मल्टीलेवल पार्किंग का संचालन फिर निजी एजेंसी के हवाले होगा। नगर निगम ने पार्किंग का संचालन फिर निजी हाथों में सौंपने का निर्णय ले लिया है। नगर निगम ने पार्किंग के संचालन को लेकर निविदा भी मांग ली है। पार्किंग का संचालन पहले भी निजी एजेंसी के पास था। टेंडर के जरिए एजेंसी की तैनाती होती थी। खामियां मिलने के बाद नगर निगम ने पिछले साल पार्किंग का संचालन अपने हाथ में ले लिया था। पार्किंग की व्यवस्था देखने के लिए आउटसोर्स कर्मचारी लगा दिए गए। एक साल में स्मार्ट सिटी के तहत पार्किंग की व्यवस्था बदली है। आधुनिक उपकरण लगने के बाद अब पार्किंग शुल्क में घपला नहीं हो सकता है।

योगी आदित्यनाथ की सरकार दंगाइयों पर हुई और सख्त, विधानसभा में पास हुआ निजी संपत्ति क्षति वसूली संशोधन विधेयक

(आधुनिक समाचार सेवा)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार दंगाइयों से और सख्ती से निपटेगी। इसके लिए उत्तर प्रदेश लोक तथा निजी संपत्ति क्षति वसूली (संशोधन) विधेयक 2022 शुक्रवार को विधानमंडल में पारित हो गया। अब इसे मंजूरी के लिए राज्यपाल के पास भेजा

जाएगा, जिसके बाद नया कानून लागू होगा। इस कानून में दंगों से किसी की मौत पर उसके आश्रितों को न्यूनतम पांच लाख रुपये मुआवजे का भुगतान भी किया जाएगा। दंगाइयों से क्षतिपूर्ति के लिए और सख्त कानून जल्द अस्तित्व में आ जाएगा। यूपी सरकार ने सरकारी तथा निजी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने वाले उपद्रवियों से क्षतिपूर्ति का दायरा बढ़ाने के साथ किसी हिंसात्मक प्रदर्शन के दौरान जान गंवाने वालों तथा गंभीर रूप से घायल होने वाले पीडितों के लिए मुआवजे की न्यूनतम राशि का भी प्रविधान किया है। राज्य सरकार ने मूल अधिनियम की धारा-19 में संशोधन करते हुए हिंसात्मक प्रदर्शन के दौरान किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर न्यूनतम पांच लाख रुपये तथा स्थायी दिव्यांगता होने पर न्यूनतम एक लाख रुपये मुआवजा प्रदान कराए जाने की व्यवस्था की है पूर्व में दावा प्राधिकरण के समक्ष तीन माह के भीतर मुआवजे के लिए आवेदन करने की व्यवस्था थी, जिसकी अवधि बढ़ा दी गई है। अब तीन वर्ष के भीतर दावा प्रस्तुत किया जा सकेगा। दावा प्राधिकरण को दावा याचिका दाखिल करने में विलंब को माफ करने का अधिकार भी होगा। किसी प्रदर्शन अथवा धरने के दौरान उपद्रव होने की स्थिति में संबंधित कार्यक्रम के आयोजकों को भी आरोपित बनाया जाएगा। नए कानून के तहत किसी हिंसात्मक प्रदर्शन के दौरान आम लोगों को होने वाले नुकसान की भरपाई भी हो सकेगी। अब कोई भी याचिका में दावेदार हो सकता है। साथ ही पूर्व से चल रहे दावों की सुनवाई जारी रहेगी। दावा प्राधिकरण किसी मामले का स्वतः संज्ञान भी ले सकेग आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 1850 शहरों के बीच बहुत ही बारीकी से किये गए मूल्यांकन मानकों के आधार पर 30 सितंबर,2022 को तालकटोरा स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित स्वच्छ शहर संवाद एवं प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी के अंतर्गत इंडियन स्वच्छता लीग में (मिलियन प्लस शहरों की श्रेणी में) गार्बेज फ्री सिटी उद्देश्य में अपनी प्रतिबद्धता ज़ाहिर करने हेतु प्रथम स्थान पर प्रयागराज का चयन किये जाने पर समस्त नगरवासियों के सहयोग के लिए धन्यवाद एवं सभी को ढेरों शुभकामनाएं।

लखीमपुर में भीषण सड़क हादसा, ट्रक और बस में जोरदार टक्कर 7 की मौत, 39 घायल

(आधुनिक समाचार सेवा)

लखनऊ। उत्तरप्रदेश के लखीमपुर क्षेत्र के शारदा नगर पुल पर रोडवेज बस और डीसीएम का हुआ एक्सीडेंट जिसमे लगभग 50 से 60 लोग घायल हुए है। मौके पर पहुंची पुलिस प्रशासन ने घायल लोगो को आनन फानन में अस्पताल पहुंचाया। पीलीभीत-बस्ती राजमार्ग पर बुधवार की सुबह भीषण सड़क हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई है और 36 यात्री गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इस एक्सीडेंट में 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक यात्री ने इलाज के दौरान दम तोड़ा। पीलीभीत बस्ती मार्ग पर बस और डीसीएम ट्रक में आमने-सामने से जोरदार भिड़ंत के कारण यह दर्दनाक हादसा हुआ। हादसे के समय बस में कुल 45 यात्री सवार थे। इस हादसे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी दुख व्यक्त किया है। हादसा इतना वीभत्स था कि मौके पर ही 6 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में 39 से लोगों के घायल होने की खबर है। घटना की सूचना पर डीएम और एसपी समेत सभी अधिकारी मौके पर पहुंच गए। मरने वालों की अभी शिनाख्त नहीं हो पाई है। सभी घायलों को पहले नकहा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उसके बाद जिला अस्पताल लखीमपुर के लिए रेफर किया गया है। घायलों में कई की हालत गंभीर भी बताई जा रही है।

छात्रवृत्ति आवेदन पत्र अग्रसारण सम्बन्धि बैठक 28 सितम्बर को

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रतापगढ़। जिला समाज कल्याण अधिकारी राजीव कुमार ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में पूर्वदशम् छात्रवृत्ति (कक्षा 9-10) योजनान्तर्गत छात्रों द्वारा फाइनल सबमिट किये गये आवेदन पत्रों को विद्यालय/शिक्षण संस्थान स्तर से तत्काल अग्रसारित कराये जाने हेतु मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में दिनांक 28 सितम्बर 2022 को विकास भवन सभागार में अपराह्न 2 बजे समस्त प्रधानाचार्यो के साथ बैठक की जायेगी।उन्होंने बताया कि छात्रों द्वारा आनलाइन आवेदन करने की अन्तिम तिथि 07 अक्टूबर है तथा शिक्षण संस्थानों द्वारा अग्रसारित करने की अन्तिम तिथि 20 अक्टूबर है। निदेशालय लागिन पर दिनांक 15 सितम्बर को उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार शिक्षण संस्थानों द्वारा अत्यन्त धीमी गति से डाटा अग्रसारण का कार्य किया जा रहा है।इस बैठक में समस्त प्रधानाचार्य स्वयं प्रतिभाग करें।

उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान हेतु 15 अक्टूबर तक करें आवेदन-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जनपद के ऐसे ख्याति प्राप्त महानुभावों जिन्होनें शास्त्रीय संगीत/लोक संगीत (गायन, वादन नृत्य), ललित कलायें, नाट्य विधायें, फिल्म व मीडिया समाजसेवा, समाज कल्याण, युवा कल्याण, महिला कल्याण, दिव्यांग कल्याण, कृषि, उद्यान, दुग्ध विकास, गोसेवा, पशुपालन, वन एवं वन्यजीव, पर्यावरण, उद्यमिता कौशल विकास, रोजगार सृजन स्वावलम्बन, शिक्षा, साहित्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, खेल इत्यादि के क्षेत्रों में अपने व्यक्तिगत प्रयासों से उत्कृष्टता के आयाम स्थापित करते हुये राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर गौरव हासिल किया है को उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान के तहत चयनित महानुभाव को 11 लाख रूपये, अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान किया जायेगा। उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान हेतु ख्याति प्राप्त महानुभाव उत्तर प्रदेश का मूल निवासी होना चाहिये, विभिन्न विधाओं/कार्य क्षेत्रों के ऐसे राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के ख्याति प्राप्त महानुभाव जिन्होने अपनी प्रतिभा, दीर्घ साधना के आधार पर श्रेष्ठ उपलब्धि प्राप्त की है, जिन्होने देश एवं विदेश में उत्तर प्रदेश का नाम रोशन किया हो, राज्य सरकार अथवा भारत सरकार से पूर्व में किसी अन्य राष्ट्रीय/राज्य पुरस्कार अथवा सम्मान प्राप्त महानुभाव को सामान्यतया इस पुरस्कार की पात्रता परिधि में नही रखा जायेगा। उन्होंने कहा है कि उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान हेतु जनपद के पात्र महानुभाव अपना आवेदन निर्धारित प्रारूप पर भरकर 15 अक्टूबर 2022 तक जिला सूचना कार्यालय प्रतापगढ़ में जमा कर दें। उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान नामांकन हेतु निर्धारित प्रारूप जिला सूचना कार्यालय प्रतापगढ़ से अथवा संस्कृति विभाग की वेबसाइट से प्राप्त किया जा सकता है। आवेदन पत्र आनलाइन/ ऑफलाइन दोनों माध्यम से दिये जा सकते है। उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान हेतु कलाकार आनलाइन आवेदन वेबसाइट सकते है।

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविण पाठ्यक्रमों की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफ्रिरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभन्न पाठ्क्रमों में रिक्त की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्रः** सफलप्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रियाः** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयुः** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करेः** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सक्ता है।
   नोटः आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पासः** सरकार द्वारा विद्यार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्तिः** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथिः 30 सितंबर 2022
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपलब्ध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

सम्पर्क सूत्रः– 751882871, 9415608710, 6386474074, 9415608790

सैदपुर पुलिस को मिली बड़ी सफलता, स्कूलों में चोरियां करने वाले 5 शातिर गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)

सैदपुर। स्थानीय पुलिस को बड़ी सफलता मिली है, पुलिस ने 5 शातिर चोरों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से चोरी के सामान भी बरामद हुए हैं। जिसके बाद सभी को न्यायालय में पेश किया गया। कोतवाल विमलेश मौर्य ने एसआई लक्ष्मण प्रसाद के साथ सूचना के आधार पर सिकन्दरपुर बबुरहनी मोड़ से 5 संदिग्धों को धर दबोचा। उन्होंने अपना नाम कमलेश कुमार पुत्र रामजी, जियालाल पुत्र सन्तोष, शुभम पुत्र गोविंद, गनपत पुत्र संतोष राम व अभिषेक पुत्र रामभजन निवासी मुड़ियार बताया। उनके पास से स्कूल से चोरी किये गए 2 सिलिंडर समेत 4 बोरी चावल व गेहूं बरामद हुए। टीम में हेकां सूर्यपाल यादव, अमित सिंह, भरत यादव व सतीश यादव रहे।

पीएचसी की जांच करने अचानक पहुंचे एसडीएम तो सोते मिले अस्पताल के कर्मचारी

(आधुनिक समाचार सेवा)

चंदौली। उपजिलाधिकारी सदर अजय कुमार मिश्रा ने मंगलवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरहनी का जायजा लिया। इस दौरान दवा कक्ष व अस्पताल के बाहर तीन स्वास्थ्यकर्मी सोते मिले। इस पर उन्होंने नाराजगी जताई और प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. शैलेंद्र कुमार को स्पष्टीकरण तलब करने का निर्देश दिया। एसडीएम के आने की जानकारी देने पर सो रहे स्वास्थ्यकर्मियों की तंद्र टूटी तो वे एसडीएम के समक्ष क्षमा कर देने के लिए गिड़गिड़ाने लगे। एसडीएम ने सख्त लहजे में कहा कि स्वास्थ्य सेवा के लिए अस्पताल आने वाले मरीजों को बेहतर सुविधा दी जाए। इसमें चिकित्सक व कर्मचारी लापरवाही न बरतें। दरअसल, सुबह दस बजे स्वास्थ्य सेवाओं की पड़ताल करने के लिए सदर एसडीएम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पहुंच गए। उनके अचानक आने से चिकित्सक व स्वास्थ्यकर्मी अपने अपने पटल पर व्यवस्थित होने लगे। तभी उनकी नजर अस्पताल के पास पेड़ के पास पड़ी, यहां सो रहे लोगों के बारे में जानकारी ली तो पता चला कि अस्पताल के कर्मी हैं। दवा कक्ष में भी आराम फरमाते दिखा कर्मी इस पर उनकी भौहें तन गई और प्रभारी चिकित्साधिकारी को बाहर बुलाकर उन कर्मचारियों की पहचान कराई। स्वास्थ्यकर्मियों के आराम करने का सिलसिला यहीं नहीं थमा, बल्कि एसडीएम ने दवा कक्ष में आराम फरमाते हुए एक कर्मचारी को देख लिया।इसके बाद उन्होंने प्रभारी चिकित्साधिकारी की कमजोर मानीटरिंग की रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेजने की बात कही। आइसीटीसी रूम, ओपीडी, लेबर रूम, दवा सहित स्वास्थ्यकर्मियों से प्रसव का हाल जाना व जानकारी ली।

पूर्वोत्तर रेलवे ने विभिन्न स्टेशनों पर कूड़ेदान का उपयोग करने हेतु यात्रियों के बीच जागरूकता अभियान चलाया

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। भारतीय रेलवे द्वारा निर्देशित स्वच्छ रेल-स्वच्छ भारत अभियान के तहत आगामी 2 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा मिशन को पूर्ण रूप से सफल बनाए रखने के लिए मंडल रेल प्रबंधक श्री रामाश्रय पाण्डेय के निर्देश में आज मंगलवार को स्वच्छ पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया गया जिसमें नामित अधिकारीयों एवं स्टाफ की टीम द्वारा बनारस, वाराणसी सिटी,बलिया बेल्थरारोड,गाजीपुर सिटी,सीवान, छपरा,मऊ एवं आजमगढ़ रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को कचरे के विभाजन के बारे जागरूक कर नीले रंग,हरा रंग तथा काले रंग के कूड़ेदान का उपयोग करने के लिए यात्रियों के बीच जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान स्टेशनों पर नीले व हरे रंग के कूड़ेदान के उपयोग हेतु क्रमशः बायो-डी-ग्रेडेबल एवं नान बायो-डी-ग्रेडेबल स्टीकर युक्त कूड़ेदान का रखा जाना सुनिश्चित किया गया । इसके साथ ही एकल उपयोग वाले प्लास्टिक का प्रयोग रोकने एवं कार्यालयों में प्लास्टिक के उपयोग बंद करने का सन्देश दिया गया। इसी क्रम में मनाते हुए यात्रियों के बीच का वितरण किया गया। अशोक कुमार जन सम्पर्क अधिकारी वाराणसी के अनुसार कल 28 सितम्बर,2022 को स्वच्छ संवाद दिवस के रूप में मनाया जायेगा। इस दौरान प्रमुख कार्यालयों में सेमिनार विभिन्न स्टेशनों विभिन्न प्रतियोगिता के साथ सभी स्टेशनों पर जन सूचना प्रणाली के माध्यम से स्वच्छता हेतु जागरूक किया जायेगा। इसके साथ ही मंडल कार्यालय के भारतेंदु सभागार कक्ष में 4 बजे से विषय पर स्वच्छता संवाद का आयोजन किया जायेगा जिसमें वक्ता के रूप में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से आई आई टी माइनिंग के प्रोफेसर श्री एन.सी.कर्माकर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे ।

रेणुसागर मे रामलीला मंचन का शुभारम्भ

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। हिंडालको रेणुसागर पावर डिवीजन रेणुसागर के ऊर्जा अध्यक्ष के.पी.यादव के संरक्षण में श्री रामलीला समिति रेणुसागर द्वारा रामलीला स्थल पर नवरात्री के प्रथम दिवस आदिशक्ति माँ दुर्गा का विधिवत पूजा अर्चना व कलस की स्थापना कर रामलीला का सजीव मंचन की तैयारी की गई, मुख्य अतिथि संजय श्रीमाली सपत्नी द्वारा भगवान शिव व माता पारवती की आरती वैदिक मंत्रोचार के बीच विधि विधान से कराकर रामलीला मंचन का शुभारम्भ कराया,सती मोह व रावण नंदी सम्बाद के साथ मंचन की शुरुआत हुई । मुख्य अतिथि श्रीमाली ने कहा की भगवान राम के चरित्र से मानव जीवन में परिवर्तन लाया जा सकता है श्रीराम के वृतांत का मंचन के माध्यम से सीख लेकर हमें स्वयं के चरित्र में आत्मसात करना चाहिए, तदोपरांत स्थानीय कलाकारों द्वारा बिरही राम ,सती मोह व रावण नंदी सम्बाद का मंचन किया गया, इसके पूर्व दिल्ली से पधारे व्यास नारायण लाल तिवारी द्वारा गणेश पूजा व रामायण की आरती कराई गयी । इस अवसर पर श्री रामलीला समिति रेणुसागर के अध्यक्ष अनिल सिंघानिया, राजेश सैनी, श्याम सूंदर बियाला, के आर संतोष आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

शिक्षा विभाग का नया नियम- शिक्षकों को देना होगा 30 मिनट का अतिरिक्त समय

(आधुनिक समाचार सेवा)

बलिया। प्रेरणा पोर्टल की निगरानी में जिले के 104 शिक्षक, शिक्षामित्र और अनुदेशक विद्यालय से अनुपस्थित पाए गए हैं। इससे परिषदीय विद्यालयों की शैक्षणिक व्यवस्था पर शासन स्तर पर सवाल उठाए गए हैं। हर ब्लाक में खंड शिक्षा अधिकारी भी स्कूलों की निगरानी करते हैं। इसके बावजूद बड़ी संख्या में गायब रह रहे शिक्षकों पर बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से नकेल कसने की तैयारी है। स्कूलों में शिक्षकों के अब 30 मिनट अतिरिक्त समय देना होगा। प्रार्थना से 15 मिनट पहले पहुंचना होगा और छुट्टी के 15 मिनट के बाद स्कूल से जाना होगा। जो शिक्षक इस आदेश का पालन नहीं करेंगे, उनपर दंडात्मक कार्रवाई की तैयारी है। गौरतलब है कि जिले में 2249 परिषदीय विद्यालय हैं। इसमें पढ़ने वाले 3.34 लाख बच्चों का भविष्य संवारने के लिए सरकार हर माह करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन शिक्षकों की लापरवाही से ही अधिकांश विद्यालयों में नामांकन के सापेक्ष बच्चे उपस्थित नहीं रहते। निपुण भारत योजना का मुख्य उद्देश्य आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान को छात्रों के अंतर्गत विकसित करना है। इस योजना के माध्यम से सन 2026-27 तक तीसरी कक्षा के अंत तक छात्र को पढ़ने, लिखने एवं अंकगणित को सीखने की क्षमता विकसित करनी है।

किशोरी की हत्या के दोषी पिता व चाचा को उम्रकैद

गैर इरादतन हत्या के मामले में 6 को 10 साल की सजा

(आधुनिक समाचार सेवा)

बस्ती। विशेष सत्र न्यायाधीश ईसी एक्ट शिवचंद ने किशोरी की जलाकर हत्या करने वाले उसके पिता व चाचा को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने प्रत्येक को 20 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थ दंड न देने पर 6 माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। सहायक शासकीय अधिवक्ता राघवेश पांडेय ने अदालत में कहा कि वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के बरहटा गांव के वाजिद अली और उसके भाई अहमद को इस बात का शक था की वाजिद अली की बेटी 17 वर्षीय बेबी किसी से फोन पर बात करती है। यह बात दोनों को नागवार लग रही थी।18 मई 2017 को दिन में 11 बजे बेबी को फोन पर बात करते देख, नाराज दोनों भाइयों ने उसके ऊपर मिट्टी तेल छिड़ककर आग लगा दिया। गांव के किसी ने डायल 108 पर फोन कर एंबुलेंस बुलाया। काफी हद तक जल चुकी बेबी को जिला चिकित्सालय ले जाया गया। पीड़िता की खराब हालत को देखते हुए उसे मेडिकल कालेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया। वहां उसी दिन बेबी की मौत हो गई। इस घटना की शिकायत मृतका की मां ने ही अपने पति व देवर के विरुद्ध थाना वाल्टरगंज में दर्ज कराई थी। विवेचना के बाद दोनों के विरुद्ध आरोप पत्र अदालत में दाखिल हुआ। अदालत ने सुनवाई के बाद दोनों भाइयों को हत्या के जुर्म में दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।गैर इरादतन हत्या के मामले में तीन भाइयों सहित छह को 10 वर्ष की कैद बस्ती। अपर सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार खरवार ने गैर इरादतन हत्या के मामले में तीन सगे भाइयों सहित 6 लोगों को 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है प्रत्येक को 8500 रुपये अर्थ दंड भी देना होगा। अर्थदंड का भुगतान न करने पर 9 माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। सहायक शासकीय अधिवक्ता दुर्गा प्रसाद उपाध्याय ने अदालत में कहा कि मुंडेरवा थाना क्षेत्र के कराह पिठिया गांव निवासी टिकोरी व मनीराम के बीच मुकदमे बाजी चल रही थी। 10 अक्टूबर 2011 को मनीराम अपने पुत्र गिरिजेश के साथ कचहरी में मुकदमा पैरवी करने के लिए जा रहा था। रास्ते में राम कुमार चौधरी, टिकोरी बेलदार व उसके 3 पुत्र दुर्विजय, राम विजय व श्याम विजय तथा नरोत्तम चौधरी, भोलानाथ चौधरी, रामचंद्र व कमरुद्दीन गनेन के खेत में छिपे हुए थे। जैसे ही मनीराम वहां पहुंचे लाठी डंडा भुजाली से उनके ऊपर हमला बोल दिए, जिससे मनीराम को गंभीर चोटें आई, उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टर ने उन्हें मृत घोषित किया। गिरिजेश की शिकायत पर 9 के विरुद्ध मुकदमा दर्ज हुआ। कमरुद्दीन व रामचंद्र का नाम विवेचक ने निकाल दिया। राम कुमार की मुकदमा के दौरान मृत्यु हो गई। मनीराम के शरीर पर 13 चोट पाई गई थी। गवाहों के बयान व दोनों पक्ष की दलील सुनने के बाद अदालत ने सभी छह आरोपितों को दंडित किया है।

वाराणसी के चर्चित बिल्डर के आवास पर हुई थी पूर्व डीआईजी के बेटे की हत्या

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। धोखाधड़ी, धमकी समेत अन्य आरोपों में गिरफ्तार पीपीपी मॉडल पर प्रधानमंत्री आवास बनाने वाले बिल्डर रामगोपाल सिंह के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले की कुंडली वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस खंगाल रही है। धोखाधड़ी, धमकी समेत अन्य आरोपों में गिरफ्तार एसएसबी ग्रुप के निदेशक रामगोपाल सिंह के पार्टनर पूर्व डीआईजी सभाजीत सिंह के बेटे बलवंत सिंह (42) की 20 अक्तूबर 2019 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वारदात के वक्त बलवंत अशोक विहार कॉलोनी में बिल्डर रामगोपाल सिंह के घर पर ही दावत में शामिल होने आया था। शिवपुर के तरना निवासी बलवंत सिंह की हत्या में रामगोपाल सिंह के पार्टनर पंकज चौबे को आरोपी बनाया गया। वहीं, पंकज चौबे की पतने ने रामगोपाल सिंह पर ही बलवंत को जान से मरवाने और पति पंकज को फंसाने, एसएसबी ग्रुप में पति की संपत्ति हड़पने का आरोप लगाया। तीन साल पुराने मामले को लेकर बिल्डर रामगोपाल सिंह और पंकज चौबे के परिजनों में अभी भी टकराहट है। बिल्डर के भतीजे समेत अन्य की गिरफ्तारी को लेकर दबिश जारा लालपुर-पांडेयपुर थाना और कैंट थाने में दर्ज मुकदमों के आधार पर पीपीपी मॉडल पर प्रधानमंत्री आवास बनाने वाले बिल्डर रामगोपाल सिंह को वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस ने मंगलवार को उसके नदेसर माल रोड स्थित कार्यालय से गिरफ्तार किया है। पुलिस उसकी आपराधिक कुंडली खंगाल रही है पढ़ें: धोखाधड़ी मामले में पीएम आवास बनाने वाले चर्चित बिल्डर को जेल, कैंट थाने की पुलिस ने दफ्तर से किया गिरफ्तार वहीं, पीड़िता को धमकी मामले में आरोपी बिल्डर के भतीजे विवेक सिंह, कर्मचारी सरस श्रीवास्तव, जितेंद्र सिंह समेत अन्य की गिरफ्तारी को लेकर भी पुलिस दबिश दे रही है। पुलिस आयुक्त के अनुसार बिल्डर से जुड़े अन्य करीबियों के बारे में भी जानकारियां जुटाई जा रही हैं। वहीं, बिल्डर के खिलाफ आए अन्य कई प्रार्थना पत्रों की जांच कराई जा रही है।कैंट की खजुरी निवासी पीड़िता निधी राय और सारनाथ के बेनीपुर निवासी पीड़ित ओमप्रकाश जायसवाल ने अशोक विहार कालोनी फेज टू निवासी बिल्डर रामगोपाल सिंह समेत अन्य कर्मचारियों के खिलाफ धमकी, जालसाजी अन्य आरोपों में मुकदमा दर्ज कराया है। निधि राय का आरोप है कि बिल्डर रामगोपाल सिंह, उसका भतीजा विवेक सिंह, कर्मचारी सरस श्रीवास्तव ने घर पर चढ़कर धमकी दी थी। असलहा से आतंकित किया था। निधि का आरोप है कि निजी बाउंसरों से भी धमकाता था। रौब जमाने को लेकर बिल्डर अपने साथ निजी अंगरक्षक रखा है कि ताकि कोई विरोध और उस तक न पहुंच सके।

एक्सपो में नए आयातकों के आने से कालीन उद्योग को संजीवनी की आस

(आधुनिक समाचार सेवा)

भदोही। कालीन नगरी में 15 अक्टूबर से शुरू होने वाले चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कालीन मेला 'इंडिया कारपेट एक्सपो-2022' में इस बार कई नए देशों के खरीदार भी जुटेंगे। अब तक कुवैत, मलयेशिया, लेबनान, हांगकांग समेत 12 देशों के 40 आयातक पहली बार कालीन मेले में पहुंचेंगे। इससे कोरोना काल के बाद से मंदी से उबरने का प्रयास कर रहे कालीन उद्योग को संजीवनी मिलने की आस है। अब तक 230 निर्यातकों ने स्टाल बुक कराए हैं। 57 देशों के 323 आयातकों ने मेले में भागीदारी की स्वीकृति प्रदान कर दी है। इनकी संख्या 350 से अधिक होने की उम्मीद है। कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (सीईपीसी) भी नए आयातकों के आने को लेकर उत्साहित है। इस बार अमेरिका, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, फ्रांस, चीन जैसे कालीन के परंपरागत खरीदार देशों के साथ ही मिस्र, इजरायल, ताइवान, थाईलैंड सहित लैटिन अमेरिकी देश चिली, मैक्सिको के ग्राहकों की अधिक संख्या में भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। सीईपीसी के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय कालीन मेले में करीब 400 करोड़ का कारोबार होने का अनुमान है। भदोही में पहली बार कालीन मेले का आयोजन किया जा रहा है। इससे पहले इंडिया कारपेट एक्सपो इसी वर्ष मार्च में दिल्ली में आयोजित किया गया था। इसमें 48 देशों के 257 आयातकों व उनके 280 प्रतिनिधि आए थे। इस एक्सपो में करीब 300 करोड़ का कारोबार हुआ था। कालीन निर्यात संवर्धन परिषद के प्रशासनिक सदस्य असलम महबूब का कहना है कि कारपेट एक्सपो में भदोही-मीरजापुर परिक्षेत्र के 70 फीसद निर्यातक स्टाल लगाएंगे। यहां जम्मू-कश्मीर, पानीपत, जयपुर, आगरा, दिल्ली, कानपुर सहित देश के अन्य शहरों के निर्यातक भी जुटेंगे। उन्होंने कहा कि कालीन कारोबार को नया आयाम देने के लिए नए देशों के आयातकों की भागीदारी लाभदायक हो सकती है।

पीस कमेटी की बैठक में लिया गया निर्णय- नदावर घाट पुल से नहीं होगा प्रतिमाओं का विसर्जन

(आधुनिक समाचार सेवा)

देवरिया। दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए प्रशासन ने प्रतिमा संयोजकों व पीस कमेटी के सदस्यों की बैठक कर शांति पूर्वक विसर्जन का निर्णय लिया। नदावर पुल की रेलिंग जर्जर होने के चलते इस बार पुल से प्रतिमाओं के विसर्जन पर रोक लगा दी गई है। इसके लिए नदी के दोनों तरफ घाटों पर प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा। सलेमपुर कोतवाली में आयोजित बैठक में बताया गया कि नदावर पुल की रेलिंग काफी जर्जर है। इससे कभी भी भीषण दुर्घटना हो सकती है। उप जिलाधिकारी अरुण कुमार वर्मा तथा सीओ देव आनंद ने कहा कि पुल के दोनों तरफ की रेलिंग को पांच फीट ऊंचा बांस-बल्ली व लोहे की चादर से ऊंचा किया जाएगा ताकि कोई पुल से कोई भी प्रतिमा विसर्जित न हो सके और दुर्घटना से भी बचा सके।नगर पंचायत को कार्य शुरु कराने का निर्देश इसके लिए नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी को तत्काल इस पर कार्य शुरू कराने को कहा गया। इसके बाद उपजिलाधिकारी व सीओ नदावर घाट तथा मझौली के तरफ स्थित घाट पर लाइट व सड़क ठीक कराकर वहां प्रतिमाओं के विसर्जन का निर्णय लिया गया नदावर घाट से विसर्जित होती है 500 से अधिक प्रतिमाएं प्रभारी निरीक्षक कपिलदेव चौधरी ने बताया कि प्रतिमाओं का विसर्जन 6 व 7 अक्टूबर को दो दिन होना है। करीब 500 प्रतिमाएं नदावर घाट से विसर्जित होती हैं। इस दौरान नायब तहसीलदार डा. भागीरथी सिंह, ईओ पंकज कुमार सहित राजस्व विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। राप्ती व सरयू में नाव से निगरानी करेंगे आपदा मोचन बल के जवान कपरवार। दुर्गा पूजा के दौरान उग्रसेन सिंह सेतु से विसर्जित होने वाली दुर्गा प्रतिमाओं की व्यवस्था को लेकर मंगलवार को उपजिलाधिकारी गजेंद्र कुमार, सीओ पंचम लाल, अगिनशमन अधिकारी मामचंद बडगूजर, थानाध्यक्ष जयशंकर मिश्र ने उग्रसेन सिंह सेतु वर राप्ती तट के छठ घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान तय किया गया कि राप्ती व सरयू नदी में नाव से पीएसी व आपदा मोचन बल के जवान निगरानी करेंगे। उप जिलाधिकारी ने बताया कि कुशल और शांतिपूर्ण ढंग से देवी प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए व्यापक प्रबंध किया गया है। पुल पर बांस बल्ली लगाकर सुरक्षा के लिए बैरिकेडिंग की जाएगी। नदी तट पर पीएसी और आपदा मोचन बल के जवानों की तैनाती की जाएगी। कपरवार तिराहे से लेकर उग्रसेन सिंह पुल तक प्रकाश का प्रबंध किया जाएगा। विसर्जन के लिए आने वाले लोगों को डीजे पर अश्लील गाना बजाने, तलवार, लाठी डंडा और हथियार जुलूस में लेकर आने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

ग्राहक बनकर ज्वैलरी की दुकानों में चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा पति पत्नी सहित 03 अभियुक्त गिरफ्तार

कब्जे से बड़ी मात्रा में ज्वैलरी बरामद

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरजापुर। थाना हलिया, जनपद मीरजापुर पर दिनांक 26.09.2022 को वादी राकेश अग्रहरी पुत्र प्रेम चन्द्र अग्रहरी निवासी कस्बा हलिया थाना हलिया, जनपद मीरजापुर द्वारा अपने ज्वैलरी के दुकान से ज्वैलरी चोरी हो जाने के सम्बन्ध में नामजद लिखित तहरीर दिया गया। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना हलिया पर मु0अ0सं0-161/2022 धारा 379 भादवि बनाम शेषमणि आदि 03 नफर पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई।पुलिस अधीक्षक मीरजापुर 'संतोष कुमार मिश्रा' द्वारा ज्वैलरी चोरी करने वाले अभियुक्तों की गिरफ्तारी तथा चोरी की ज्वैलरी की बरामदगी करने हेतु प्रभारी निरीक्षक हलिया को निर्देश दिये गये थे। उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांक 27.09.2022 को हलिया पुलिस द्वारा थाना हलिया

क्षेत्र से 01 नफर अभियुक्त व 02 नफर अभियुक्ता कुल 03 नफर को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से सफेद व पीली धातु की विभिन्न प्रकार की 40 नग चोरी की ज्वैलरी बरामद की गई। गिरफ्तार अभियुक्तों मे पति-पत्नी भी हैं। **पूछताछ विवरण-** पुलिस द्वारा गिरफ्तार अभियुक्तों से कड़ाई से पूछताछ की गई तो उनके द्वारा बताया गया कि इन लोगो का एक गिरोह है जो ज्वैलरी की दुकानो पर ग्राहक बनकर एक साथ जाते है, ज्वैलरी देखने व खरीदने के नाम पर अलग-अलग ज्वैलरी निकलवाते है तथा दुकानदार को झासा देते हुए मौका पाकर दिखाये गये ज्वैलरी मे से कुछ ज्वैलरी चुरा लेते है। **नाम पता गिरफ्तार अभियुक्तगण**–1-शेषमणि पुत्र सुखई निवासी ग्राम तेन्दुहनी थाना लालगंज जनपद मीरजापुर, उम्र करीब 45 वर्ष 2-धर्मशीला पत्नी शेषमणि निवासी ग्राम तेन्दुहनी थाना लालगंज जनपद मीरजापुर, उम्र करीब 40 वर्ष, 3-अमरावती पत्नी शिवशंकर निवासी ग्राम तेन्दुहनी थाना लालगंज जनपद मीरजापुर, उम्र करीब 50 वर्ष। **पंजीकृत अभियोग**–मु0अ0सं0-161/2022 धारा 379,411 भादवि थाना हलिया जनपद मीरजापुर। **विवरण बरामदगी**–1- 01 नग लाकेट पीली धातु 2-02 नग जंजीर टूटी हुई पीली धातु 3- 01 नग लाकेट पीली धातु काले मोती मे गढ़ा हुआ, टूटा हुआ 4-01 नग अंगूठी पीली धातु 5- 01 नग नाक की कील पीली धातु 6-11 नग नथिया पीली धातु 7-11 जोड़ी पायल सफेद धातु 8-12 जोड़ी बिछिया सफेद धातु।

राष्ट्रीय नवनिर्माण सेना ने मच्छरदानी वितरण कर मनाई भगत सिंह की जयंती

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र (ओबरा)। राष्ट्रीय नवनिर्माण सेना के तत्वाधान में राष्ट्रीय अध्यक्ष आनन्द पटेल दयालु की अध्यक्षता में क्रांतिकारी भगत सिंह जी की जयन्ती बड़े ही धूमधाम से आत्माराम आईटीआई स्कूल के पीछे मनाया गया अध्यक्षता कर रहे आनन्द पटेल

दयालु ने कहा कि क्रांतिकारियों की किताबें अनिवार्य रूप से प्रत्येक वर्ग के कक्षा में पढ़ाई जाए और क्रांतिकारियों को शहीदों का दर्जा हर हाल में मिलना चाहिए आज हम लोग सैकड़ों महिलाओं और जरूरतमंदों को जो गरीब है और असहाय है उन्हें मच्छरदानी देकर डेंगू जैसी भयंकर बीमारी से बचाने का कार्य करेंगे किसी ने सच ही कहा है, सुधार बूढ़े आदमी नहीं कर सकते। वे तो बहुत ही बुद्धिमान और समझदार होते है। सुधार तो होते है युवकों के परिश्रम, साहस, बलिदान और निष्ठा से, जिनको भयभीत होना आता ही नहीं और जो विचार कम और अनुभव अधिक करते है। बतौर मुख्य अतिथि श्री संजय पांडे ने कहा कि क्रांतिकारियों ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश की आजादी की नींव रखी है उन्हें हमें सदैव याद करना चाहिए क्योंकि आजादी उन्हीं के कारण मिली है संचालन नगर अध्यक्ष विकास कुमार गोंड ने किया विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय महासचिव जनाब महताब आलम, श्री शिवदत्त दुबे प्रदेश उपाध्यक्ष, श्री महेश अग्रहरी प्रदेश अध्यक्ष आईटी सेना, श्री रविंद्र यादव प्रदेश अध्यक्ष छात्र सेना, प्रदेश प्रवक्ता जनाब शिब्बू खान, श्री राजकुमार यादव प्रदेश उपाध्यक्ष, जिला संगठन मंत्री श्री दिनेश केसरी जी रहे। जिलाध्यक्ष महिला सेना श्रीमती लीलावती देवी राजेश कुमार भारती आदि लोग मौजूद रहे।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति सोनभद्र की 27वीं बैठक का हुआ ऑनलाइन आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
(शक्तिनगर) सोनभद्र। नगर राजभाषा कार्यानवयन समिति सोनभद्र की 27वीं बैठक का ऑनलाइन आयोजन दिनांक 26 सितम्बर 2022 को किया गया बैठक में नगर राजभाषा कार्यान्वयन

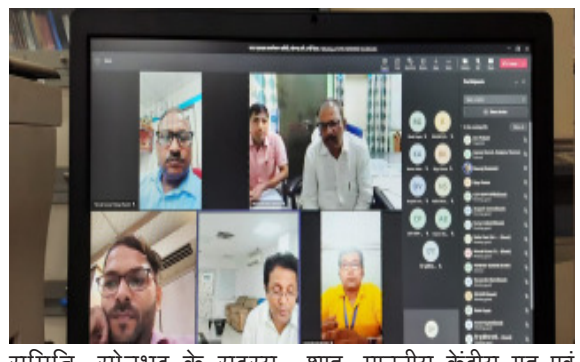

समिति, सोनभद्र के सदस्य कार्यालयों के प्रमुख एवं राजभाषा अधिकारी सम्मिलित हुए बैठक की अध्यक्षता करते हुए बसुराज गोस्वामी, माननीय मुख्य महाप्रबंधक, एनटीपीसी सिंगरौली एवं अध्यक्ष, नराकास, सोनभद्र ने कहा कि 'राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के निर्देश के अनुपालन में एवं राजभाषा हिंदी का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के लिए नियमानुसार नगर राजभाषा कार्यानवयन समिति की छमाही बैठक आयोजित की गई है राजभाषा हिंदी का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से श्री अमित शाह, माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार की अध्यक्षता में दिनांक 14 से 15 सितंबर 2022 को सूरत, गुजरात में हिंदी दिवस एवं द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया था एवं इसी क्रम में सभी कार्यालयों में दिनांक 14 सितम्बर 2022 से 29 सितम्बर 2022 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है हम सभी को मिलकर गौरवशाली हिंदी भाषा की सांस्कृतिक पहचान से देश की भाषाई संस्कृति को और समृद्ध करते रहना है इस अवसर पर विचार व्यक्त करते हुए निर्मल कुमार दूबे, उप निदेशक (कार्यान्वयन), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय ने भारत सरकार के राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम 2022-23 के अनुरूप कार्य योजना बनाकर राजभाषा लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु आवश्यक निर्देश दिए एवं राजभाषा सम्मेलन की उपलब्धियों से सभी सदस्य कार्यालय को अवगत कराया बैठक में सभी कार्यालयों के राजभाषा कार्यों की समीक्षा की गई, सदस्य कार्यालयों से हिन्दी साफ्टवेयर के अधिकाधिक प्रयोग की अपेक्षा की गई राजभाषा कार्यशाला के माध्यम से सभी कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने पर बल दिया गया बैठक के दौरान राजभाषा नियमों, अधिनियमों से संबंधित प्रस्तुतीकरण दिया गया बैठक का संयोजन ओम प्रकाश, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) एवं सदस्य सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सोनभद्र द्वारा किया गया।

पुलिस द्वारा नाबालिग बालिका के साथ अश्लील हरकत करने का आरोपी गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरजापुर। थाना को0शहर, जनपद मीरजापुर पर दिनांक 26.09.2022 को थाना को0शहर क्षेत्रांतर्गत निवासी एक व्यक्ति द्वारा लिखित तहरीर बावत की नाबालिग पुत्री के साथ अश्लील हरकत करने के सम्बन्ध में नामजद अभियुक्त के आधार पर थाना को0शहर क्षेत्र से नामजद अभियुक्त पंकज कुमार गोंड पुत्र आद्या प्रसाद गोंड निवासी तरकापुर नई बस्ती थाना को0शहर जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया। 2- थाना चुनार पुलिस द्वारा

विरूद्ध दी गई। जिसके आधार पर थाना को0शहर पर मु0अ0सं0-138/2022 धारा 354 भादवि व 7/8 पॉक्सो एक्ट बनाम पंकज कुमार गोंड पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई। पुलिस अधीक्षक मीरजापुर 'संतोष कुमार मिश्रा' द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए नाबालिग के साथ अश्लील हरकत करने वाले अभियुक्त की यथाशीघ्र गिरफ्तारी करते हुए अग्रिम विधिक कार्यवाही हेतु थाना प्रभारी को0शहर को निर्देश दिए गए। उक्त निर्देश के अनुक्रम में त्वरित कार्यवाही करते हुए आज दिनांकः 27.09.2022 को उ0नि0 हरिशंकर यादव मय पुलिस बल द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना चुनार क्षेत्र से अभियुक्त रोहित सोनकर पंजीकृत विवेचना प्रारम्भ की गई। पुलिस अधीक्षक मीरजापुर 'संतोष कुमार मिश्रा' द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए सन्दर्भित प्रकरण में त्वरित कार्यवाही करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही हेतु प्रभारी निरीक्षक चुनार को निर्देश दिए गये। उक्त निर्देश के क्रम में त्वरित कार्यवाही करते हुए आज दिनांकः 27.09.2022 को उ0नि0 श्यामधर सिंह व उ0नि0 भारत भूषण सिंह मय पुलिस बल द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना चुनार क्षेत्र से नामजद अभियुक्त रोहित सोनकर उर्फ करिया पुत्र अमृतलाल सोनकर निवासी सरैया सिकन्दरपुर थाना चुनार जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया तथा अभियुक्त के कब्जे से एक अदद घरेलू चाकू बरामद कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को मा0न्यायालय/जेल भेजा गया, 3 जनपद में कानून/शान्ति-व्यवस्था बनाये रखने के क्रम में 25 व्यक्तियों का दं0प्र0सं0 151/107/116 में चालान किया गया, जिनका थानावार संख्यात्मक विवरण निमनंकित है –थाना को0शहर 01 थाना को0कटरा-03 थाना विन्ध्याचल-03 थाना को0देहात 03 थाना कछवां-01 थाना पड़री 02 थाना जिगना-02 थाना चुनार-04 थाना मडिहान-02 थाना सन्तनगर-04।

किशोरी पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार, कब्जे से चाकू बरामद– थाना चुनार, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 27.09.2022 को थाना चुनार क्षेत्रान्तर्गत ग्राम सरैया सिकन्दरपुर निवासी पंचम लाल पुत्र स्व0लालजी द्वारा लिखित तहरीर बावत की पुत्री प्रतिमा अपनी बड़ी बहन के साथ कूड़ा-कचरा फेंक कर वापस घर की तरफ आ रही थी कि रोहित सोनकर द्वारा चाकू से जान मारने की नियत से हमला कर दिया गया तथा गाली गलौज दिया गया। जिसके सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर मु0अ0सं0-279/2022 धारा 307,324,504 भादवि बनाम

आजादी के समय से आज तक ग्रामीण सड़क बनने का कर रहे इंतजार

(आधुनिक समाचार सेवा)
(डाला) सोनभद्र। विकास खण्ड - चोपन अंतर्गत दो ग्राम सभाओं के बीच सड़क निर्माण को लेकर परेशान ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन।परासपानी से रोहनियाडाँड़

(निंगा)संपर्क मार्ग का कुछ भाग कोटा ग्राम पंचायत तो कुछ भाग ग्राम पंचायत पनारी में पड़ता है बताते चले कि यहाँ जिला पंचायत स्तर से लगभग 2010 में सोलिंग का कार्य किया गया था। जिसका पिचिंग आज तक नही हो सका। गांव में यदि कोई बीमार हो गया तो एम्बुलेंस भी जाने से इनकार कर देता हैं। ऐसे में ग्रामीणों को चारपाई पर लाद कर एम्बुलेंस तक लाना पड़ता है। तब जाकर कही हास्पिटक तक जा सकते हैं। इस सम्बंध में कई बार सरकार बदली, जिलाधिकारी बदले। लेकिन कोई सुनवाई नही हुआ। क्षेत्रीय विधायक भी चुनाव के समय गए थे आसवशन भी दिए। यहां विधायक का दूसरा पंचवर्षीय हैं दो बार जितने में महज ओट मांगने गए थे। यह मान लिया कि जनप्रतिनिधि ही विकास पे दिखाते है ढेंगा। आजादी के लगभग 76 वर्षों के बाद भी भगवान भरोसे है ग्रामीण।इस सम्बंध में ग्रामीणों ने बताया कि किस्से शिकायत करें या मांग करें कोई सुनने वाला नही हैं।

मीरजापुर पुलिस द्वारा जंगल के रास्ते वध हेतु ल जाये जा रहे 93 राशि गोवंश बरामद

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरजापुर। पुलिस अधीक्षक मीरजापुर 'संतोष कुमार मिश्रा' द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध तथा गो-तस्करी करने वालों के विरूद्ध अभियान चलाकर प्रभावी कार्यवाही करने के लिये जनपद

के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों को निर्देश दिए गए हैं उक्त निर्देश के अनुक्रम में दिनांकः 27.09.2022 को प्रभारी निरीक्षक अहरौरा-कुमुद शेखर सिंह मय पुलिस बल द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना अहरौरा क्षेत्रान्तर्गत पहाड़ी व जंगल के रास्ते सुकृत बार्डर से होते हुए गोवंशो को क्रूरता पूर्वक बांधकर मारते-पीटते हुए वध हेतु बिहार ले जाये जा रहे 93 राशि गोवंशो को बरामद करते हुए 03 गो-तस्करों को गिरफ्तार किया गया। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना अहरौरा पर मु0अ0सं0-185/2022 धारा 3/8 गोवध अधिनियम व 11 पशु क्रूरता अधिनियम बनाम रामसकल आदि 03 नफर पंजीकृत किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों द्वारा पूछताछ में बताया गया कि वे आस-पास के गांवों से कम दाम पर गोवंशों को खरीदकर तथा खुले में घूमने वाले गोवंशों को पकड़ कर बिहार के एक व्यापारी को अधिक दामों पर बेच देते है जहां से व्यापारी द्वारा बंगाल वध हेतु ले जाया जाता है तथा गोवंशों की बिक्री से प्राप्त पैसो से अपना व अपने परिवार का भरण पोषण व जीवन यापन करते है। नाम पता गिरफ्तार अभियुक्तगण –1-राम सकल पुत्र कैलाश मौर्या निवासी गुलाबपुर थाना लालगंज जनपद मीरजापुर, उम्र करीब-27 वर्ष।2-अजय पुत्र राम लाल निवासी गुलाबपुर थाना लालगंज जनपद मीरजापुर, उम्र करीब-20 वर्ष।3-कमला शंकर पुत्र शोभा कोल निवासी उत्तरीदेवरी थाना लालगंज जनपद मीरजापुर, उम्र करीब-30 वर्ष। विवरण बरामदगी 93 राशि गोवंश पंजीकृत अभियोग–मु0अ0सं0-185/2022 धारा 3/8 गोवध अधिनियम व 11 पशु क्रूरता अधिनियम थाना अहरौरा, जनपद मीरजापुर।

वनिता समाज द्वारा बालिका सशक्तिकरण हेतु पोषक आहार एवं स्वास्थ्य किट का वितरण

(आधुनिक समाचार सेवा)
(शक्तिनगर) सोनभद्र। वनिता समाज एनटीपीसी सिंगरौली शक्तिनगर द्वारा भारत सरकार की 'पोषण अभियान योजना' को बढ़ावा देने के उद्देश्य से श्रीमती जयिता गोस्वामी,अध्यक्षा, वनिता समाज एवं वनिता समाज की वरिष्ठ सदस्याओं द्वारा उच्च प्राथमिक विद्यालय, चिल्काडाँड की कक्षा-6

से कक्षा-8 तक की सभी छात्राओं को पौष्टिक आहार वितरित किए गए। इसी क्रम में कक्षा-6 से कक्षा-8 की सभी छात्राओं में स्वास्थ्य और स्वच्छता को बढ़ावा देने हेतु स्वास्थ्य किट के तहत सैनिटरी पैड भी वितरित किए गए। इस अवसर पर श्रीमती जयिता गोस्वामी, अध्यक्षा,वनिता समाज ने सभी बालिकाओं को पोषक तत्वों के बारे में विस्तृत जानकारी दी, हरी पत्तेदार सब्जियां एवं अन्य पोषक आहार को नियमित दिनचर्या में शामिल करने पर बल दिया। श्रीमती जयिता गोस्वामी ने स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सैनिटरी पैड के उपयोग के महत्व पर प्रकाश डाला उन्होंने शिक्षिकाओं को भी सलाह दी कि वे बालिकाओं को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के बारे में नियमित रूप से जागरूक करें। उच्च प्राथमिक विद्यालय, चिल्काडाँड की शिक्षिकाओं एवं छात्राओं द्वारा वनिता समाज की इस अभिनव कल्याणकारी पहल की सराहना की गयी एवं आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर श्रीमती नील कमल भोगल, कल्याण प्रभारी, वनिता समाज, हीरालाल, ग्राम प्रधान, चिल्काडाँड, कुमार आदर्श, कार्यपालक सीएसआर एवं वनिता समाज की अन्य वरिष्ठ सदस्याएं उपस्थित रहीं। वनिता समाज, एनटीपीसी सिंगरौली द्वारा भविष्य में भी बालिका सशक्तिकरण के तहत आस-पास के स्कूलों में समाज कल्याण की गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

कोटा, खडिया और चिल्काड़ाड़ को दिसंबर से मिलेगा पानी

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनपरा। ऊर्जांचल के गांवों में हर घर नल योजना का कार्य जोरों से चल रहा है। अनपरा से शक्तिनगर के बीच आने वाले गांवों में बनने वाली 15 टंकियों में से लगभग आठ टंकियों का निर्माण पूरा हो चुका है। लाखों घरों में पानी की पाइप लाइन से कनेक्शन भी कर दिया गया है। घरों तक पानी पहुंचने के लिए लोगों को दिसंबर तक का और इंतजार करना पड़ेगा ऊर्जांचल में पानी की सुविधा बेहतर तरीके से मुकम्मल कराने के लिए 15 टंकियों का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। परियोजना के अधिकारियों और इंजीनियरों ने लगभग आठ टंकियों का निर्माण पूर्ण भी कर लिया है। अन्य तीन टंकियों के बनने में महज चंद दिन ही शेष हैं। वहीं बची शेष चार टंकियों में कुछ को दिसंबर तो कुछ को मार्च तक पूरी करने की कवायद की जा रही है। शक्तिनगर क्षेत्र के कुछ गांव चिल्काड़ाड, कोटा, खडिया और परासी आदि में दिसंबर तक पानी पहुंचाने की पूरी जुगत की जा रही है। वहीं अन्य स्थानों पर पाइप डालने व घर-घर कनेक्शन देने के बाद मार्च तक कार्य खत्म करने का लक्ष्य लेकर कंपनी के अधिकारी तेजी से कार्य कर रहे हैं। अब तक पानी की धार की एक भी बूंद पाइप से न गिरने के कारण कनेक्शन हो गए घरों के लोग भी आस लगाए बैठे हैं। कंपनी के अधिकारियों की मानें तो कई स्थानों पर लोगों के विरोध से कार्य बंद करने की वजह से भी पाइप डालने का कार्य कर पाने में कंपनी को काफी समस्याएं हो रही हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए टीम की घोषणा, वॉर्नर सहित इन खिलड़ियों की हुई वापसी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने टी20 वर्ल्ड कप से पहले होने वाले अपने आखिरी टी20 सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। इस टीम में डेविड वॉर्नर, मिचेल खिलाडियों को शामिल कर लिया गया है। भारत दौरे पर इन खिलाडियों की अनुपस्थिति में भी टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया था। खासतौर से एरॉन फिंच और मैथ्यू वेड ने इस दौरे पर अपनी नेशनल सेलेक्शन प्रमुख जॉर्ज बेली ने कहा है कि हम वर्ल्ड कप को देखते हुए सतर्क दृष्ठिकोण अपना रहे हैं। हमें उम्मीद है कि केन और एस्टन इंग्लैंड के खिलाफ अगली सीरीज में वापसी करेंगे। वेस्टइंडीज

स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस और मिचेल मार्श की वापसी हुई है। भारत के खिलाफ 3 टी20 मैचों की सीरीज में ये चारों खिलाड़ी मौजूद नहीं थे और वर्ल्ड कप से पहले टीम उन्हें आजमाना चाहती है। डेविड वॉर्नर को भारत दौरे पर आराम दिया गया था जबकि बाकी तीन खिलाडियों को माइनर इंजरी के कारण इस दौरे पर शामिल नहीं किया गया था। लेकिन वर्ल्ड कप से पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टी20 सीरीज में इन फॉर्म हासिल कर ली। 16 सदस्यीय इस स्क्वॉड में भारत के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी करने वाले कैमरॉन ग्रीन को मौका दिया गया है। ग्रीन भारत के खिलाफ सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की तरफ से सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। उन्होंने ओपनिंग बल्लेबाजी करते हुए दो अर्धशतकीय पारी खेली थी। वेस्टइंडीज के खिलाफ इस टीम में तेज गेंदबाज केन रिचर्डसन और स्पिन गेंदबाज एश्टन एगर को आराम दिया गया है।इस मौके पर के खिलाफ 5 और 7 अक्टूबर को दो मैचों की सीरीज खेलने के बाद ऑस्ट्रेलिया टीम पर्थ और केनबरा में इंग्लैंड के खिलाफ 3 मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। एरोन फिंच (कप्तान), सीन एबॉट, पैट कमिंस, टिम डेविड, कैमरॉन ग्रीन, जोश हेजलवुड, जोश इंगलिस, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, डेनियल सैम्स, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वार्नर, एडम ज़म्पा।

यूनिवर्स बॉस गेल पहुंचे भारत, लीजेंड लीग में सहवाग की टीम में होंगे शामिल

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली।भारत में पहली बार आयोजित हो रहे लीजेंड लीग क्रिकेट ने दुनिया भर के दिग्गज क्रिकेटरों की उपस्थिति में फैंस को शानदार क्रिकेटिंग एक्शन का अनुभव दिया है। गेल के आने से फैंस को जबरदस्त क्रिकेट देखने को मिलेगा क्योंकि गुजरात की टीम में पहले से ही विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग मौजूद हैं और यदि गेल उनके साथ पारी की शुरुआत करने उतरे तो फिर विरोधी गेंदबाजों की खैर नहीं और फैंस की बल्ले-बल्ले तय है। सहवाग की अगुवाई वाली गुजरात जायंट्स फिलहाल चार मैचों में पांच अंकों के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। हालांकि, उसके पास इरफान पठान की भीलवाड़ा किंग्स को हराकर नंबर-1 स्थान हासिल करने का मौका होगा दूसरी तरफ इरफान पठान के नेतृत्व में भीलवाड़ा टीम प्वाइंट्स टेबल में सबसे नीचे है। टीम ने अब तक 4 मैच खेले हैं और केवल एक मैच में उसे जीत मिली है। टीम के पास अच्छी गेंदबाजी लाइन-अप है और गुजरात के खिलाफ टीम जीत दर्ज कर अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगी।

गावस्कर ने बताया किस भारतीय बल्लेबाज को आउट करके विरोधी टीम को लगता है जैसे उन्होंने सांप का फन कुचल दिया

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। रोहित शर्मा बेशक भारत के लिए बड़ी पारी नहीं खेल पा रहे हैं, लेकिन वो टीम को तेज शुरुआत देने में सफल हो रहे हैं। वहीं कप्तानी के मोर्चे पर रोहित शर्मा का जलवा कायम है। रिकार्ड भी कायम कर लिया। रोहित शर्मा ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले व तीसरे टी20 मैच में 11 और 17 रन की पारी खेली थी तो वहीं दूसरे मैच में उन्होंने 20 गेंदों पर 46 रन बनाए थे और भारतीय टीम की जीत में बड़ी भूमिका निभाई थी। वो इस तरह से खेल सकते हैं जबकि वो जानते हैं कि हिटमैन के पास किस तरह की मारक क्षमता है। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स के साथ बात करते हुए कहा कि अगर आपके पास लंबी बल्लेबाजी लाइन अप है तो आपको इसी तरह से से आए। अब जब आपके पास इस तरह की बल्लेबाजी लाइनअप है तो तो आप चांस ले सकते हैं। गावस्कर ने कहा कि रोहित शर्मा को जल्दी आउट करना विरोधी टीम के लिए बोनस है क्योंकि कप्तान के आउट होने के बाद टीम

आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में 2-1 से जीत दर्ज करते हुए हिटमैन ने अपनी कप्तानी का वर्चस्व बनाए रखा। रोहित शर्मा अपनी कप्तानी में अब तक कोई भी द्विपक्षीय सीरीज नहीं हारे हैं और ये सिलसिला कंगारू टीम के खिलाफ भी जारी रहा। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने साल 2022 में अब तक कुल 22 टी20 इंटरनेशनल मैच जीते हैं और अब भारत ने पाकिस्तान का रिकार्ड तोड़ते हुए एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा टी20 मैच जीतने का वर्ल्ड दूसरा टी20 मैच बारिश की वजह से 8-8 ओवर का कर दिया गया था। इस मुकाबले में उन्हें प्लेयर आफ द मैच का खिताब दिया गया था। रोहित शर्मा अब क्रीज पर उतरते ही विरोधी गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक रुख अपना लेते हैं और ऐसे में वो उस तरह की लंबी पारियां नहीं खेल पा रहे हैं जिसके लिए वो जाने जाते हैं। हालांकि इससे टीम को थोड़ा नुकसान तो होता है। अब टीम इंडिया के पूर्व ओपनर बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने उनके इस अप्रोच को डिफेंड किया है और बताया कि खेलना चाहिए। गावस्कर ने आगे कहा कि हम सब रोहित शर्मा को लंबे समय तक क्रीज पर देखना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि वो 10-12 ओवर तक खेलें और तब आप पूरी तरह से निश्चिंत हो जाते हैं। अगर वो ज्यादा देर तक क्रीज पर रह जाते हैं तो स्कोर कहां से कहां तक पहुंच सकता है, लेकिन अगर वो 5,6,7 रन बनाते हैं तो ये टीम के हक में नहीं होता। उन्होंने तीसरे मैच का जिक्र करते हुए कहा कि आपने देखा कि हार्दिक पांड्या अंत में किस तरह का मनोबल गिरता है। उन्होंने आगे कहा कि कप्तान को आउट करना हमेशा विपक्ष के लिए एक बड़ा प्लस होता है। ये कुछ ऐसा है जैसे आपने सांप का फन कुचल दिया हो। अगर आप ओपनर बल्लेबाज हैं और ऊपर से कप्तान हैं तो विरोधी टीम आपको निशाना बनाएंगे। वो कप्तान को आउट करके टीम का मनोबल गिराने की कोशिश करते हैं, लेकिन भारतीय टीम के पास कई क्लास प्लेयर हैं।

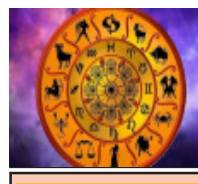

राशिफल

मेष-:गर्भवती माताओं को अपने स्वास्थ्य को लेकर थोड़ा अधिक सावधान रहने की आवश्यकता है। आप अच्छा पैसा कमा सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक रूप से निवेश करें।

वृष-:आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। इस राशि के छात्रों को आज अच्छी खबर मिल सकती है। परिवार वालों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। घर में खुशियों का माहौल रहेगा।

मिथुन-:आज यात्रा की स्थिति सुखद और लाभकारी रहेगी. काम के सिलसिले में आप पर जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ सकता है। गुस्से पर पूरी तरह काबू रखें।

कर्क-:कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों के दबाव और घर में दरार के कारण आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है - जो काम में आपकी एकाग्रता को भंग करेगा। मनोरंजन और सुंदरता बढ़ाने में ज्यादा समय न लगाएं।

सिंह-:आज आपका दिन नए उपहार लेकर आएगा. व्यापार में अचानक लाभ के योग बन रहे हैं। पैसा कमाने का जो भी मौका मिले उसे हाथ से न जाने दें बल्कि उसे खुलकर अपनाएं।

कन्या-:आज आपको कोई शुभ समाचार मिल सकता है. आज ही कोई त्योहार मनाने के लिए तैयार हो जाइए। दोस्त और रिश्तेदार इकट्ठे होंगे और खूब मौज-मस्ती करेंगे।

तुला-: मित्र आपका परिचय किसी खास व्यक्ति से कराएंगे, जिसका आपकी सोच पर गहरा प्रभाव पड़ेगा. मजाक में कही गई बातों पर किसी पर शक करने से बचें।

वृश्चिक-:आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आपका आत्मविश्वास बढ़ सकता है। व्यवसाय में आपकी अपेक्षा से अधिक धन प्राप्त हो सकता है।

धनु-:आज आपके प्रयास सफल होंगे. सम्मान मिलेगा। अपने व्यवहार, व्यवहार, हर चीज में ईमानदार रहें। पुराने दोस्तों और रिश्तेदारों से बात हो सकती है, अस्वस्थता संभव है।

मकर-:जीवनसाथी के साथ मूवी, थिएटर या रेस्टोरेंट में शाम का समय बिताने से आपको सुकून मिलेगा और आपका दिमाग तरोताजा रहेगा. अचानक पैसा खर्च और बिल आदि का ध्यान रखेगा।

कुंभ-: आज परिवार में किसी शुभ कार्य की रूपरेखा बन सकती है. व्यापार के अवसर आपको सुखद यात्रा पर ले जा सकते हैं। सामाजिक स्तर पर आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी।

मीन-:आज आप किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं, अचानक धन लाभ के योग बन रहे हैं. अधिक पाने की कोशिश में, खोने से भी बचें, खर्चा ज्यादा हो सकता है।

भारत और पाकिस्तान के बीच क्या 15 साल बाद खेली जाएगी टेस्ट सीरीज

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज की मेजबानी को लेकर ईसीबी ने पेशकश की थी, लेकिन बीसीसीआइ ने साफ कर दिया कि निकट भविष्य में ऐसी कोई संभावना नहीं है। बीसीसीआइ के एक अधिकारी ने पीटीआइ से बात करते हुए कहा कि पहली बात तो यह है कि ईसीबी ने भारत-पाक देशों के बीच टेस्ट सीरीज के आयोजन के लिए तटस्थ मेजबान बनने के लिए संपर्क किया। ईसीबी के अधिकारियों ने पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच जारी टी-20 सीरीज के दौरान पीसीबी से बातचीत की। ईसीबी के प्रस्ताव के बाद पाकिस्तान तटस्थ मैदान पर सीरीज खेलने के इच्छुक नहीं है क्योंकि उसके देश में लंबे समय बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की

टेस्ट सीरीज को लेकर पीसीबी से बात की है जो कि थोड़ा अजीब है। किसी भी तरह से पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज का फैसला बीसीसीआइ नहीं बल्कि सरकार करेगी और अभी यथास्थिति बरकरार है। हम पाकिस्तान के खिलाफ केवल बहुराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में ही खेलेंगे। आपको बता दें कि इंग्लैंड के समाचार पत्र द टेलीग्राफ की एक रिपोर्ट के अनुसार, ईसीबी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) से भविष्य में दोनों बहाली हो गई है और ऐसे में वह किसी तटस्थ देश में खेलना नहीं चाहता। भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरी टेस्ट सीरीज साल 2007-08 में खेला गया था और तब तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेली गई थी। इस टेस्ट सीरीज में भारत को 1-0 से जीत मिली थी। दोनों टीमों के बीच अब तक 15 टेस्ट सीरीज खेली जा चुकी है। इन टेस्ट सीरीज में भारत को 4 बार जीत मिली है जबकि पाकिस्तान ने भी 4 टेस्ट सीरीज में जीत दर्ज की है।

इंडिया वर्ल्ड कप से पहले आखिरी बार साउथ अफ्रीका के सामने उतरेगी टीम इंडिया

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली।ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-1 से सीरीज जीतने के बाद टीम इंडिया वर्ल्ड कप से पहले आखिरी इस पहले टी20 मैच का आनंद लेना चाहते हैं तो आइए इससे जुड़ी कुछ अहम बातों को जान लेते हैं। कहां होगा भारत और साउथ अफ्रीका के

बार साउथ अफ्रीका के सामने उतरेगी। पिछले कुछ महीनों से लगातार अपनी डेथ ओवर बॉलिंग की समस्या से गुजर रही भारतीय टीम का अफ्रीका के खिलाफ भी बड़ा टेस्ट होगा। टीम भुवनेश्वर कुमार और हार्दिक पांड्या के बिना इस सीरीज में उतरेगी लेकिन अर्शदीप सिंह की वापसी टीम के लिए थोड़ी राहत भरी खबर है क्योंकि बीते दिनों में वह एकमात्र ऐसे गेंदबाज है जिन्होंने डेथ ओवर में अच्छी गेंदबाजी की है। टीम इंडिया आज तक साउथ अफ्रीका के खिलाफ घर में टी20 सीरीज नहीं जीत पाई है और इस रिकॉर्ड को तोड़ना है तो टीम को पहले मैच में जीत के साथ शुरुआत करनी होगी। यदि आप भी भारत और साउथ अफ्रीका के बीच होने वाले बीच यह पहला टी20 मैच ग्रीनफील्ड क्रिकेट स्टेडियम तिरुवनंतपुरम में होगा भारत और साउथ अफ्रीका के बीच यह पहला टी20 मैच। कितने बजे शुरू होगा भारत और साउथ अफ्रीका के बीच यह पहला टी20 मैच भारत और साउथ अफ्रीका के बीच यह पहला टी20 मैच शाम 7 बजे शुरू होगा। कितने बजे होगा भारत और साउथ अफ्रीका के बीच इस पहले टी20 मैच का टॉस भारत और साउथ अफ्रीका के बीच यह पहला टी20 मैच स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर देख सकते हैं। मैच की लाइव स्ट्रीमिंग आप हॉटस्टार ऐप पर देख सकते हैं। यदि आप इस मैच का आनंद फ्री में लेना चाहते हैं तो आप डीडी फ्री डिश के स्पोर्ट्स चैनल पर ऐसा कर सकते हैं।

भारतीय टीम टी20आई में लक्ष्य का बचाव क्यों नहीं कर पा रही है, बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने दिया जवाब

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में लक्ष्य का बचाव करते हुए भारतीय टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है, लेकिन बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने आश्चर्यजनक रूप से 'ओस' को इसका एक कारण बताया जबकि हाल ही में संपन्न एशिया कप के दौरान ऐसा नहीं था। एशिया कप के सुपर चार चरण से भारत ने छह टी-20 अंतरराष्ट्रीय खेले हैं और उनमें से तीन में उसे हार और तीन में जीत मिली। भारत को पाकिस्तान, श्रीलंका और आस्ट्रेलिया के विरुद्ध तीनों हार का सामना लक्ष्य का बचाव करते हुए करना पड़ा राठौर के दावों के विपरीत दुबई में पाकिस्तान और श्रीलंका के विरुद्ध हार के बाद मीडिया से बात करने वाले भारतीय टीम के किसी भी सदस्य ने इसके लिए ओस को जिम्मेदार नहीं ठहराया जिससे स्कोर का बचाव करना मुश्किल हो गया है। राठौर ने यहां दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध पहले टी-20 की पूर्व संध्या पर कहा कि हम लक्ष्य का बचाव करते हुए बेहतर प्रदर्शन करने की दिशा में काम कर रहे हैं, लेकिन हमारे गेंदबाजों के लिए निष्पक्ष रहूं तो टास ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हर बार जब हम लक्ष्य का बचाव करने में विफल रहे तो ये वे स्थान थे जहां ओस होती है जिससे लक्ष्य का पीछा करना आसान हो जाता है। राठौर शायद आस्ट्रेलिया के रूप से हम बहुत अच्छा कर रहे हैं, लेकिन आशा है कि हम बेहतर होंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या क्रीज पर मौजूद बल्लेबाज संभावित लक्ष्य तय करते हैं, कोच ने जवाब भी हमने पहले बल्लेबाजी की तो प्रतिस्पर्धी स्कोर या इससे बेहतर स्कोर बनाया। इसलिए मुझे नहीं लगता कि यह कोई मुद्दा है। बल्लेबाजी कोच ने यह भी कहा कि

विरुद्ध मोहाली में हुए मैच का संदर्भ देना चाह रहे थे जहां भारत 200 से अधिक के लक्ष्य का बचाव नहीं कर पाया था। राठौर ने कहा कि मैं गेंदबाजों के प्रति कठोर रुख नहीं अपनाऊंगा क्योंकि वे मैच को आखिरी ओवर तक ले जाने में सक्षम रहे हैं, हर बार, जब हम लक्ष्य का बचाव कर रहे थे। निश्चित दिया कि निश्चित रूप से, यह उस सतह पर निर्भर करता है जिस पर हम खेल रहे हैं, लेकिन जब आप कहते हैं कि हम अच्छा स्कोर नहीं बना पाए हैं तो मैं उससे सहमत नहीं हूं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि पहले बल्लेबाजी करना पिछले टी-20 विश्व कप के दौरान चिंताओं में से एक था, लेकिन तब से जब टीम प्रबंधन कभी भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ियों को कोचिंग देने की कोशिश नहीं करता बल्कि उन्हें अपने मजबूत पक्षों के अनुसार खेलने के लिए प्रोत्साहित करता है। अर्शदीप सिंह जैसे खिलाड़ी को हमेशा अपनी योजनाओं के अनुसार चलने के लिए कहा जाता है।

आस्ट्रेलिया के बाद अब साउथ अफ्रीका की बारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
तिरुवनंतपुरम। दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध बुधवार से शुरू हो रही तीन मैचों की सीरीज के जरिये भारतीय

टीम टी-20 विश्व कप से पहले अंतिम ओवरों की अपनी गेंदबाजी बेहतर करने और बल्लेबाजों को अच्छा अभ्यास देने के इरादे से उतरेगी। आस्ट्रेलिया के विरुद्ध सीरीज जीतने के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि अंतिम ओवरों की गेंदबाजी में सुधार की जरूरत है। भारतीय टीम को अपने दो प्रमुख गेंदबाजों हार्दिक पांड्या और भुवनेश्वर कुमार की कमी खलेगी जिन्हें टी-20 विश्व कप से पहले आराम दिया गया मोहम्मद शमी अभी तक कोविड से उबर नहीं सके हैं और वह तीनों मैच नहीं खेल पाएंगे। हर्षल पटेल चोट से उबरने के बाद आस्ट्रेलिया के विरुद्ध सीरीज में लौटे, लेकिन 12 की औसत से रन दे डाले और उनका इकानामी रेट नौ से ऊपर रहा। विश्व कप के लिए स्टैंडबाई दीपक चाहर को पिछली सीरीज में मौका नहीं मिला और अब तीन मैचों मे तेज गेंदबाजों को रोटेट किए जाने पर वह खेल सकते हैं।

भारतीय महिला कप्तान हरमनप्रीत कौर आइसीसी वनडे रैंकिंग में पांचवें स्थान पर पहुंचीं

दुबई। इंग्लैंड के विरुद्ध शानदार प्रदर्शन करने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर आइसीसी महिला वनडे खिलाडियों की रैंकिंग में पांचवें

स्थान पर पहुंच गई हैं। इंग्लैंड को तीन मैचों की वनडे सीरीज में 3-0 से हराने के बाद भारतीय खिलाडियों की रैंकिंग में काफी सुधार हुआ। हरमनप्रीत ने दूसरे मैच में 111 गेंदों में नाबाद 143 रन बनाए थे। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा की रैंकिंग में भी सुधार हुआ। वहीं स्मृति मंधाना एक पायदान चढ़कर छठे और दीप्ति शर्मा आठ पायदान चढ़कर 24वें स्थान पर पहुंच गई। पूजा वस्त्राकर चार पायदान चढ़कर 49वें स्थान पर हैं और हरलीन देयोल 46 पायदान चढ़कर 81वें स्थान पर हैं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाज रेणुका सिंह 35 पायदान चढ़कर 35वें स्थान पर पहुंच गईं। झूलन गोस्वामी पांचवीं पायदान से रिटायर हुईं। इंग्लैंड की डैनी वियाट दो पायदान चढ़कर 21वें स्थान पर हैं जबकि एमी जोंस चार पायदान चढ़कर 30वें स्थान पर हैं। चार्ली डीन 24 पायदान चढ़कर 62वें स्थान पर पहुंच गईं।

सम्पादकीय

बदलते वैश्विक परिदृश्य में संयुक्त राष्ट्र महासभा में कैसे बढ़े भारत की भूमिका

बीते लगभग दो सप्ताह से न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा का आयोजन जारी है। तमाम दुविधाओं के बावजूद हर भारतीय इस ओर आशावान है कि जल्द ही भारत सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बन सकता है। इस वर्ष आयोजित संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने किया है। वरिष्ठ राजनयिक रहे एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन में कुछ बड़ी बातों को प्रस्तुत किया है, जिसे हमें जानना चाहिए। पहली बात, हमें राजनय शक्ति में भरोसा रखना होगा। दूसरी, हमें यह तय करना होगा कि हम किस तरफ हैं। तीसरी बात, विश्व आज रोमांचक तरीके से रूपांतरकारी बदलाव के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में आतंकवाद पर शून्य-सहिष्णुता आवश्यक है। निश्चित रूप से भारत की स्थिति दुनिया भर में प्रतिष्ठित हुई है। संयुक्त राष्ट्र में एक ऐसी स्थिति तो बन ही गई है कि वीटो अधिकार प्राप्त देश भी भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में स्थान दिए जाने की वकालत कर रहे है, लेकिन हमारे लिए केवल इतना भर पर्याप्त नहीं है। इसे एक समय के लिए भारत को आकर्षित करने का तरीका भर समझा जाना चाहिए। जब महासभा चल रही हो तो उस समय भारत को कैसे अपने पक्ष में सही दृष्टिकोण के साथ समर्थन मिल सकता है। यदि सभी के लिए भारत आवश्यक है तो केवल उसी समय भारत के बारे में बोलकर बात खत्म कर देना तो एक तरह चालबाजी ही मानी जा सकती है। कुछ कमी हमारी भी है कि हम इस मसले पर साल भर क्या करते हैं और हमारे प्रयास इस दिशा में कितने सशक्त हैं, इसका आत्मावलोकन हम क्यों नहीं करते। जब युद्धरत देश रूस और यूक्रेन भी भारत को एक सही मध्यस्थ मान रहे हैं और कई अन्य देशों के साथ अमेरिका भी यह कह रहा है कि भारत को यूएनएससी में होना ही चाहिए तो हम स्वयं विचार करें कि हम इस दिशा में असफल क्यों हो रहे हैं एस. जयशंकर ने महासभा में सुरक्षा परिषद में सुधार की बात भी कही है जो बहुत ही महत्वपूर्ण है। परंतु यह भी समझा जाना चाहिए कि केवल इतने भर से बात नहीं बनेगी। इस संदर्भ में रणनीतिक रूप से भी हमें आगे बढ़ना होगा। पूरा विश्व जानता है कि जब तक एजेंडे के रूप में विस्तार की बातें नहीं आएंगी, तब तक सुरक्षा परिषद का विस्तार नहीं होगा। दरअसल हम यह जानते हैं कि ऐसे एजेंडे किस दशा में आते हैं। लीग आफ नेशंस के बाद संयुक्त राष्ट्र की स्थापना तक के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य को समझने की कोशिश करें तो यह स्पष्ट होता है कि जब तक दुनिया किसी भयावह संकट की स्थिति में नहीं पहुंच जाती, तब तक शांति और सुरक्षा की दिशा में रोमांचकारी कदम नहीं उठाए जाते। तो सवाल यह है कि क्या संयुक्त राष्ट्र के वीटो अधिकार प्राप्त देश इस बात की प्रतीक्षा कर रहे हैं कि कोई बड़ी घटना घटे? यूक्रेन में युद्ध का उल्लेख करते हुए एस. जयशंकर ने यह स्पष्ट किया है कि भारत शांति का समर्थक है। हम उस तरफ है जहां यूएन चार्टर और इसके बुनियादी सिद्धांतों का सम्मान होता है। हम उस तरफ हैं जहां से संवाद और राजनय को ही एकमात्र रास्ता अपनाने की पुकार उठती है। किसी भी राष्ट्र की कीमत तभी निर्धारित होती है जब वह निरपेक्ष रूप से सबके मंगल की कामना में अपनी गति कायम रखता है। भारत इस दिशा में विगत 75 वर्षों में निरंतर आगे बढ़ा है। भारत ने रचनात्मक कार्यों को आगे बढ़ाते हुए संसार भर में गरीबी, भुखमरी और पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान के लिए नए उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। कोविड महामारी के दौर में पूरी दुनिया ने इसे महसूस भी किया है। मौलिक रूप से भारत का शांति-पथ सबके लिए हितकारी है और संयुक्त राष्ट्र के मंच से इसकी गूंज भी विश्व भर में सुनी गई है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ प्रेसवार्ता के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, 'मैं जानता हूं कि आज का युग युद्ध का नहीं है और हमने फोन पर भी कई बार आपस में इस विषय पर बातचीत की है।' आने वाले दिनों में शांति के रास्ते पर हम कैसे बढ़ सकें उसके विषय में हमें आज आवश्यक चर्चा करने का मौका मिलेगा। यूक्रेन से भारतीयों की सकुशल वापसी की प्रक्रिया में हमें दोनों देशों (यूक्रेन और रूस) का अभूतपूर्व सहयोग मिला है, यह दोनों देशों के साथ भारत की समान मैत्री का सूचक है। ऐसे परिवेश ने भारत को एक साझे मित्र के रूप में परिभाषित किया है। इस मैत्री का लाभ सभी को मिल सकता है।

कांग्रेस अध्यक्ष की रेस में बने हुए हैं गहलोत उम्मीदवारी बचाने को कई नेता सक्रिय

कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को पार्टी के केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण के अध्यक्ष मधुसूदन मिस्त्री ने अध्यक्ष चुनाव के लिए उनका वोटर पहचान पत्र मंगलवार को सौंप दिया, मगर कांग्रेस के नए अध्यक्ष के चेहरे पर गहराए बादल अभी साफ नहीं हुए हैं। राजस्थान के सियासी घमासान के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की दावेदारी बेशक डांवाडोल हुई है, लेकिन अभी भी वे रेस से बाहर नहीं हुए हैं। ताजा संकट के मद्देनजर कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता पार्टी हाईकमान और गहलोत के दरम्यान विधायकों के विद्रोह से पैदा हुई असहज स्थिति को दूर करने की जबरदस्त कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, सुलह की कोशिशों के बीच नए चेहरे के विकल्पों पर भी नेतृत्व अपनी रणनीति के हिसाब से तैयारी कर रहा है। मंगलवार को कांग्रेस के दोनों पर्यवेक्षकों मल्लिकार्जुन खड़गे और अजय माकन ने विधायकों के विद्रोह पर अपनी लिखित रिपोर्ट सोनिया गांधी को सौंप दी। इसमें विद्रोह में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए गहलोत के तीन कट्टर समर्थक नेताओं शांति धारीवाल, महेश जोशी और धर्मेंद्र राठौर के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश की गई है। जयपुर से लौटने के बाद सोमवार को केंद्रीय पर्यवेक्षकों ने कांग्रेस अध्यक्ष को पूरी घटना से अवगत कराया था और तब सोनिया गांधी ने उनसे लिखित रिपोर्ट सौंपने को कहा था। सूत्रों के अनुसार गहलोत ने भी हाईकमान को संदेश भेजा है कि विधायकों के विद्रोह के पीछे उनकी कोई भूमिका नहीं थी। वह कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के प्रति विद्रोह की सोच भी नहीं सकते हैं। वह जल्द ही सोनिया गांधी से मुलाकात करने दिल्ली आ सकते हैं। सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनने से रोकने के लिए हुए घटनाक्रम के बाद गहलोत के पक्ष में सुलह-संवाद की कोशिश करने वालों में उत्तर भारत के कई प्रमुख नेता भी शामिल है। इनमें 10 जनपथ (सोनिया गांधी का सरकारी आवास) की करीबी अंबिका सोनी और लंबे समय से नाराज चल रहे आनंद शर्मा शामिल हैं। समझा जाता है कि ताजा संकट को लेकर इनके जैसे कई नेताओं ने सोनिया से बातचीत की है और यह संदेश देने का प्रयास किया है कि पार्टी के व्यापक हित में केवल दक्षिण के नेताओं पर हाईकमान की निर्भरता उचित नहीं है। राजस्थान मसले को बातचीत से सुलझाने पर जोर सुलह-संवाद की कोशिशों में जुटे नेताओं की ओर से यह बताने का प्रयास किया गया है कि अशोक गहलोत की राजनीतिक शैली और पृष्ठभूमि ऐसी नहीं रही जिसमें नेतृत्व की अनदेखी

का भाव रहा हो। ऐसे में यह जरूरी है कि राजस्थान के मौजूदा घटनाक्रम के संदर्भ में पैदा हुई गलतफहमियों को सीधे बातचीत कर सुलझाया जाए। संवाद के प्रयासों में जुटे कांग्रेस कार्यसमिति के एक सदस्य के अनुसार नेतृत्व तक यह संदेश पहुंचाया गया है कि देश की राजनीतिक वास्तविकता को समझते हुए पार्टी का नेतृत्व उत्तर भारत के किसी नेता को ही सौंपा जाना कांग्रेस के हित में है और इसमें गहलोत अब भी सबसे मुफीद व्यक्ति हैं। समझा जाता है कि इस दौरान हाईकमान को यह भी बताने का प्रयास किया गया है कि राजस्थान में नेतृत्व परिवर्तन के लिए जिन लोगों को भेजा गया था उन्होंने स्थिति को बिगाड़ने में भूमिका निभाई। इन्होंने ही पंजाब में ऐसा ही कुछ किया था। जाहिर तौर पर निशाने पर खड़गे और माकन है। पंजाब में कैप्टन अमरिंदर को बदलने के लिए बतौर पर्यवेक्षक इन दोनों को ही भेजा गया था। अंदरूनी तौर पर उठ रही इन आवाजों का एक संकेत यह भी है कि खड़गे या केसी वेणुगोपाल, जिन्हें नेतृत्व का विश्वासपात्र माना जाता है, दोनों की अध्यक्ष पद की किसी संभावित दावेदारी को रोकने के लिए पार्टी में उत्तर भारत के नेता अपनी सक्रियता जारी रखे हुए है। गहलोत की दावेदारी पूरी तरह खत्म होने की स्थिति में दिग्विजय सह सबसे मजबूत दावेदार के रूप में सामने आ सकते है। हाईकमान से उनकी निकटता सर्वविदित है। इसके अलावा मुकुल वासनिक और कुमारी सैलजा का नाम भी अध्यक्ष पद के लिए वैकल्पिक उम्मीदवारों की सूची में माना जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष पद के नामांकन के लिए अब केवल तीन दिन बचे है। मंगलवार को कांग्रेस के कोषाध्यक्ष पवन बंसल ने अध्यक्ष पद के लिए दो सेट नामांकन फार्म मंगवाया। चुनाव प्राधिकरण के प्रमुख मिस्त्री ने कहा कि यह नहीं मालूम कि बंसल ने यह फार्म खुद के लिए या किसी और के लिए मंगवाया है। वैसे माना जा रहा है कि बंसल ने नामांकन फार्म का यह सेट पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार के लिए हासिल किया है। कांग्रेस हाईकमान की ओर से जिस चेहरे को स्वीकृति दी जाएगी उसके नामांकन की प्रक्रिया की पूरी तैयारी रखने के लिए बंसल ने यह फार्म हासिल किया है।

सेशेल्स में भारतीय युद्धपोत आई एन एस ने डाला लंगर

सीएमएफ में लेगा भाग; पश्चिमी हिंद महासागर में पैर जमाने की तैयारी

भारतीय नौसेना दुनिया की सबसे बड़ी बहुराष्ट्रीय नौसेना साझेदारी, संयुक्त समुद्री बल (सीएमएफ) द्वारा सेशेल्स में आयोजित किए जा रहे दो सप्ताह के अभ्यास में भाग ले रही है, जो पश्चिमी हिंद महासागर में नई दिल्ली की बढ़ती रुचि का संकेत है। भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस सुनयना ने सीएमएफ के वार्षिक प्रशिक्षण अभ्यास 'ऑपरेशन सदर्न रेडीनेस' में भाग लेने के लिए शनिवार को मेडागास्कर के पूर्वोत्तर में स्थित 115 द्वीपों के द्वीपसमूह की राजधानी शहर पोर्ट विक्टोरिया में प्रवेश किया। यह न केवल समुद्री सुरक्षा के लिए भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है। बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में सीएमएफ अभ्यास में भारतीय नौसेना के जहाज की पहली भागीदारी को भी चिह्नित करता है। बता दें ड्रग्स एंड क्राइम पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय, और भारत ने इस साल की शुरुआत में सीएमएफ के साथ साझेदारी शुरू की थी। कनाडा, फ्रांस, इटली, न्यूजीलैंड, सऊदी अरब, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने और परिचालन तत्परता बढ़ाने पर काम करते हैं। भाग लेने वाले देशों में ऑस्ट्रेलिया भी शामिल है। सेशेल्स सीएमएफ में 34 सदस्य राष्ट्र शामिल है जिनकी सेना लाल सागर, अदन की खाड़ी में काम करती है। वाइस एडमिरल ब्रैड कूपर, यूएस नेवल फोर्सेज सेंट्रल कमांड, यूएस 5 वीं फ्लीट और सीएमएफ के कमांडर ने कहा, 'सेशेल्स एक मजबूत क्षेत्रीय समुद्री साझेदार है और हम इस नए अवसर की मेजबानी करने के लिए उनके बहुत आभारी है। हम भारत सहित अन्य अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ काम करने के लिए भी उत्साहित है, ताकि एक जीवंत तरीके से क्षमता का निर्माण और प्रशिक्षण किया जा सके। भारत ने पीएस जोरोस्टर और पीएस पुखराज सहित चार तेज गश्ती नौकाओं को सेशेल्स को सौंप दिया है। इसने सेशेल्स में एक तटीय निगरानी रडार परियोजना भी शुरू की है। इसके अलावा, भारत ने रोमेनविले द्वीप पर स्थित 1-मेगावाट ग्राउंड-माउंटेड सोलर प्लांट के साथ-साथ ऊए र्त्3.4 मिलियन दिए है। उच्च प्रभाव वाली परियोजना से लगभग 400 घरों में बिजली का उत्पादन होने की उम्मीद है। भारत-प्रशांत क्षेत्र में सह-अस्तित्व की दिशा में अपने सहयोग को बढ़ाते हुए, दोनों देशों ने व्यापक समुद्री सुरक्षा, हवाई निगरानी, ??प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण में भाग लिया है। एंटीपायरेसी ऑपरेशन 10-दिवसीय भारत-सेशेल्स संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास लैमिटिये-2022 का 9वां संस्करण मार्च में सेशेल्स रक्षा अकादमी में आयोजित किया गया था, जिसने दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच पारस्परिक विश्वास, और अंतर-क्षमता और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने में सक्षम बनाया। एसडीएफ के रक्षा बलों के प्रमुख ब्रिगेडियर माइकल रोसेट ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि दोनों सेनाओं के बीच दोस्ती, आपसी सम्मान और एक-दूसरे की समझ का एक लंबा इतिहास है। भारत और सेशेल्स को एक साझा मंच पर एक साथ काम करके इस क्षेत्र को सुरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है, यह तब स्पष्ट था जब इसके शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों को आमंत्रित किया गया था। अप्रैल में, भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने दक्षिण पश्चिम हिंद महासागर क्षेत्र के दौरे पर भी सेशेल्स का दौरा किया। यात्रा के दौरान, नौसेना प्रमुख ने देश के राष्ट्रपति वेवेल रामकलावन, विदेश मंत्री सिल्वेस्टर राडेगोंडे और रोसेट से हिंद महासागर में समुद्री सुरक्षा पर चर्चा करने के लिए मुलाकात की। और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और मजबूत करने के रास्ते खोले थे सीएनएस, जिन्होंने 2001-02 में सेशेल्स सरकार के नौसेना सलाहकार के रूप में भी काम किया था, ने पोर्ट विक्टोरिया का एक नेविगेशन चार्ट भी प्रस्तुत किया था, जिसे भारत के राष्ट्रीय जल सर्वेक्षण कार्यालय (एनएचओ) द्वारा तैयार किया गया था। जिसने द्विपक्षीय रक्षा जुड़ाव के पैमाने को और अधिक मजबूत किया था।

पलानीस्वामी ने वरिष्ठ नेता रामचंद्रन को AIADMK से हटाया

अननद्रमुक के अंतरिम महासचिव के. पलानीस्वामी ने मंगलवार को कथित पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए वरिष्ठ नेता पनरुट्टी एस रामचंद्रन) को पार्टी से हटाने की घोषणा की। रामचंद्रन द्वारा अंतरिम पार्टी प्रमुख के खिलाफ कथित तौर पर कुछ आलोचनात्मक टिप्पणी करने के बाद यह कार्रवाई की गई। पार्टी के एक बयान में, पलानीस्वामी ने कहा कि रामचंद्रन को पार्टी के संगठन सचिव के रूप में और साथ ही अननद्रमुक की प्राथमिक सदस्यता से हटाया जा रहा है। रामचंद्रन 'पार्टी सिद्धांतों और नियमों के खिलाफ गए।' इस बीच, पलानीस्वामी के प्रतिद्वंद्वी ओ पनीरसेल्वम , जो खुद को अननद्रमुक के 'समन्वयक' बताते हैं, ने रामचंद्रन को पार्टी के 'राजनीतिक सलाहकार' के रूप में 'नियुक्त' करने की घोषणा की। इससे पहले मद्रास उच्च न्यायालय ने पननेरसेल्वम और उनके कुछ सहयोगियों को 'निष्कासित' करने के अननद्रमुक महापरिषद के 11 जुलाई के फैसले को बरकरार रखा था। बता दें, अखिल भारतीय अनन द्रविड़ मुनेत्र कर्ष गम (अननद्रमुक) के नेतृत्व को लेकर जारी विवाद पर मद्रास हाईकोर्ट ने दो सितंबर को विराम लगा दिया है। कोर्ट ने इस मुद्दे पर सुनवाई करते हुए पलानीस्वामी को पार्टी के अंतरिम महासचिव माने जाने वाले आम परिषद की बैठक के फैसले को सही ठहराया, जिससे पनीरसेल्वम को करारा झटका लगा है। इससे पहले ने 11 जुलाई को आम परिषद की बैठक बुलाई थी, जिसमें यह फैसला लिया गया था कि विपक्ष के नेता पलानीस्वामी पार्टी के अंतरिम महासचिव होंगे। जबकि पनीरसेल्वम को पार्टी से बाहर कर दिया गया। पनीरसेल्वम ने इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

सुप्रीम कोर्ट में उद्धव ठाकरे को लगा झटका चुनाव आयोग तय करेगा कौन है असली शिवसेना

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को सुप्रीम कोर्ट में बड़ा झटका लगा है। शीर्ष कोर्ट ने मंगलवार को एक दिन की लंबी सुनवाई के बाद चुनाव आयोग को एकनाथ शिंदे समूह के असली शिवसेना होने के दावे पर फैसला करने से रोक लगाने से इंकार कर दिया। न्यायमूर्ति डी.वाई. चंद्रचूड़ ने कहा कि उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे गुट के बीच शिवसेना में पार्टी के बीच विवाद का फैसला करने के लिए चुनाव आयोग के समक्ष कार्रवाई पर कोई रोक नहीं होगी, जिसमें किसका किस मूल पार्टी पर अधिकार या चुनाव चिन्ह हासिल कर सकेगा। इसमें जस्टिस एमआर शाह, कृष्ण मुरारी, हिमा कोहली और पी.एस. नरसिम्हा ने उद्धव ठाकरे गुट द्वारा दायर की गई एक याचिका पर विचार करने से इंकार कर दिया कि चुनाव आयोग को मामले में आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, जब तक कि शीर्ष अदालत शिवसेना विधायकों की अयोग्यता से संबंधित याचिका का फैसला नहीं करती है सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग को हम निर्देश देते है कि कार्यवाही पर कोई रोक नहीं होगी। उद्धव ठाकरे गुट का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने पीठ के समक्ष प्रस्तुत किया कि शिंदे गुट अयोग्य होने के बाद चुनाव आयोग को स्थानांतरित नहीं कर सकते। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि इसमें एक संदर्भ दिया गया है, जोकि एक तथ्य है। एक संवैधानिक निकाय को यह तय करने से नहीं रोकता है कि क्या उसके पास कानून के तहत फैसला लेने की शक्ति है। पीठ ने कहा कि उद्धव ठाकरे गुट ने तर्क दिया कि चुनाव आयोग के समक्ष कार्रवाई को लेकर अन्य याचिकाओं में से एक है, इसलिए इसे आगे नहीं बढ़ना चाहिए। सुनवाई के इस दौरान कपिल सिब्बल ने तर्क दिया कि एकनाथ शिंदे चुनाव आयोग में जाना चाहते हैं और कहते हैं कि उनका गुट राजनीतिक दल है, लेकिन इससे बहुत पहले इन कार्यवाही में पार्टी की उनकी सदस्यता सवालों के घेरे में है, जिसका फैसला पहले किया जाना है। उद्धव ठाकरे गुट ने शीर्ष अदालत का रुख कर एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना को क्षेत्रीय मान्यता देने की याचिका पर चुनाव आयोग की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की थी। उसुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि राजनीतिक दल उस पार्टी की विधायी इकाई की तुलना में बहुत व्यापक विन्यास है, जिसमें निर्वाचित सदस्य होते हैं। इसने आगे पूछा कि क्या विधायी इकाई में पूर्व के संबंध में चुनाव आयोग के अधिकार विवाद को प्रभावित करता है। शीर्ष अदालत ने दोनों गुटों के वकीलों और चुनाव आयोग के वकील की दलीलें भी सुनीं। आपको बता दें कि महाराष्ट्र में सरकार बदलने और पार्टी में बागवत के बाद शिवसेना दो गुटों में बंट गई है। दोनों गुट पार्टी और उसके चुनाव चिन्ह पर अपना दावा कर रहे हैं। जल्द ही राज्य में बीएमसी और निकाय होने हैं। दोनों गुटों के बीच आपसी संघर्ष होने की उम्मीद है। पिछले दिनों बांबे कोर्ट ने दशहरा के मौके पर शिवाजी पार्क में उद्धव ठाकरे को रैली करने की अनुमति दी थी। वहीं बीएमसी को फटकार लगाई थी।महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने खुद के असली शिवसेना होने का दावा किया हुआ है। इसे लेकर चुनाव आयोग ने पार्टी के दोनों खेमों से जवाब मांगा था।

वैश्विक संकट का समाधान तलाशने में भारत की अहम भूमिका, एक्सपर्ट व्यू

कोविड महामारी के दौर में पूरी दुनिया एक नए संकट में फंस चुकी थी। समग्र विश्व को इस संकट से बाहर निकालने में भारत का बड़ा योगदान रहा। वैश्विक संकट की बात करें तो पिछले सात माह से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध जारी है। इसका दुष्प्रभाव समग्र विश्व पर पड़ रहा है। इस दौर में भारत ही ऐसा देश बनकर उभरा है जिस ओर दुनिया इस उम्मीद से देख रही है कि वही इस संकट का समाधान तलाशने में या कारगर मध्यस्थ की भूमिका निभाने में सक्षम है। थोड़ा पीछे इतिहास में चलें तो यह पता चलता है कि शीत युद्ध वास्तव में कभी समाप्त हुआ ही नहीं, बल्कि इसने अपने रूप और संदर्भों को बदल दिया है। जैसा की सर्वविदित है की वर्ष 1991 में सोवियत संघ (यूएसएसआर) के विघटन से पहले, वैश्विक व्यवस्था कमोबेश अपने रूप में द्विध्रुवीय थी। प्रसिद्ध रूसी लेखक लियो टाल्सटाय के प्रसिद्ध उपन्यास 'वार एंड पीस' में एक प्रसिद्ध उद्धरण है, 'यदि हर कोई अपने विश्वास के लिए लड़े तो कोई युद्ध नहीं होगा।' वर्तमान संदर्भ में यह सटीक बैठता है। दो राष्ट्रों के मध्य उनके परस्पर राष्ट्रीय हितों के टकराव की अंतिम परिणति युद्ध होती है और कमोबेश यह हर काल में लागू होता है। ऐसे में वर्तमान हिंसक संघर्ष का सारा ठीकरा केवल रूस पर फोड़ना उचित नहीं है। कहीं-न-कहीं इस संघर्ष का बीज सोवियत संघ के विघटन में निहित है, जिसके तह में जाने की आवश्यकता है।

संक्षिप्त समाचार

चारों कब्जे वाले क्षेत्रों को रूस में शामिल करने का पुतिन कर सकते हैं एलान

मास्को। रूस- यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के सात महीने से ज्यादा का समय हो गया है। माना जा रहा है कि अब यह अंतिम मोड़ पर है। पुतिन अब जनमत संग्रह कराकर कब्जे वाले क्षेत्रों का रूस का हिस्सा घोषित कर सकते हैं। रूस के कब्जे वाले यूक्रेन के क्षेत्र में जनमत संग्रह का काम भी

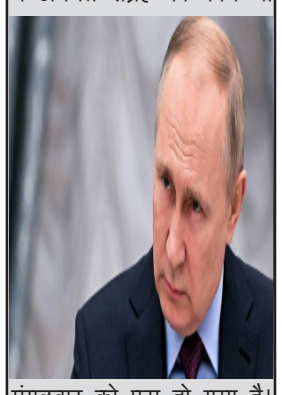

मंगलवार को पूरा हो गया है। जनमत संग्रह में लोगों से पूछा गया कि क्या वे चाहते हैं कि चारों कब्जे वाले दक्षिणी और पूर्वी यूक्रेन क्षेत्रों को रूस में शामिल किया जाए। 23 सितंबर से यह जनमत संग्रह शुरू हुआ था। इस जनमत संग्रह से तय होगा कि क्या कब्जे वाले क्षेत्र रूस का हिस्सा बनना चाहते है या नहीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक जिन इलाकों में जनमत संग्रह करवाया गया है वह यूक्रेन का 15 फीसदी हिस्सा है। यूक्रेन के लुहांस्क, जापोरिज्जिया, खेरसन और दोनेत्स्क में कराया गया। जनमत संग्रह के दौरान मतदान केंद्रों पर रूसी सैनिक तैनात थे। इस बीच, चर्चा है क्विादिमीर पुतिन जल्द ही इन चारों कब्जे वाले क्षेत्रों को रूस में शामिल करने का एलान कर सकते हैं। व्लादिमीर पुतिन 30 सितंबर को जनमत संग्रह के परिणाम की घोषणा कर सकते हैं।

इशाक डार बने पाकिस्तान के नए वित्त मंत्री

इस्लामाबाद। इशाक डार ने बुधवार को चौथी बार पाकिस्तान के नए वित्त मंत्री के रूप में शपथ ली, जब देश भारी नकदी-संकट से जूझ रहा है। वहीं हाल में आई बाढ़ से अर्थव्यवस्था को गहरा झटका लगा है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के 72 वर्षीय वरिष्ठ नेता, जो भ्रष्टाचार के एक मामले में आरोपी होने के बाद 2017 से स्व-निर्वासन में थे, ने शपथ ग्रहण के एक दिन बाद वित्त मंत्री के रूप में शपथ ली।

महर्षि नगर की रामलीला मे श्री राम जन्मोत्सव की अद्भुत लीला

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। महर्षि नगर महर्षि वेद विज्ञान विश्वविद्यापीठ द्वारा महर्षि नगर की रामलीला मे आज श्री राम जन्म की रामलीला का मंचन किया गया। मीडिया प्रभारी ए के लाल ने बताया यह रामलीला प्रतिदिन सायकल 8 बजे से श्री रामलीला का मंचन होता है।भारी संख्या में उपस्थित लोगों के बीच पहले दिन राम, भरत ,लक्ष्मण और शत्रुघन के जन्म प्रसंग के मनमोहक मंचन का दर्शको ने आनंद लिया महर्षि वेद विज्ञान विश्वविधा पितम के प्रभारी शिशिर श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि 26 सितंबर से 6 अक्टूबर तक प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से दुर्गा पूजन पाठ एवम सायः 7 बजे से भजन ,वेद महात्म्य पर प्रवचन और आरती होती है ,5 अक्टूबर की विजया दशमी महोस्त्व तथा रावण दहन किया जाएगा। अगले दिन 6 अक्टूबर को भरत मिलाप और राज तिलक मंचन किया जायेगा। कल की राम लीला मे विश्वामित्र का आगमन, ताड़का सुबाहु वध एवं अहिल्या उद्धार का मंचन होगा। उन्होंने बताया कि भगवान राम भारतीय धर्म सस्कृति की धुरी है और आज भी मर्यादा पुरुषोत्तम राम को चरित्र भारतीय जय मानस को सुमार्ग पर चलने और पारिवारिक तथा सामाजिक स्तर पर मर्यादित जीवन जीने की प्रेरणा देता है इस अवसर पर विनीत श्रीवास्तव,विनोद श्रीवास्तव,गिरीश अगिनहोत्री,श्रीकांत ओझा ,यादवेंद्र यादव ,कमलेश यादव शिशुपाल सिंह यादव , रामेद्र सचान एस पी गर्ग , दयाशकर गुप्ता, एल एस सोम ,संतोष श्रीवास्तव ,विनोद दीक्षित ,नरेंद्र सिंह तथा कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

श्री सनातन धर्म रामलीला समिति नोएडा स्टेडियम मे राम जन्म की लीला

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। श्री सनातन धर्म रामलीला समिति द्वारा आयोजित रामलीला महोत्सव नोएडा स्टेडियम मे आज भगवान राम का जन्म,ताड़का बध,मारीच बध,सुबाहु बध की रामलीला मंचन हुआ जिसमे मुख्य रूप से समिति के चेयरमैन श्री टी एन गोविल जी,अध्यक्ष श्री टी एन चौरसिया जी, कार्यकारी अध्यक्ष सुशील भारद्वाज जी,महासचिव संजय बाली जी,कोषाध्यक्ष अल्पेश गर्ग जी,प्रताप मेहता, शुभकरण राणा जी, रमेश जी, एन के अग्रवाल जी,अनिल गुप्ता जी,मित्रा शर्मा जी, केशव गंगल जी, राम कुमार शर्मा जी राजीव गर्ग जी,पी के अग्रवाल जी,विनय शर्मा जी,राजीव अजमानी जी, पवन सिंह,सुंदर सिंह राणा,राहुल बाली,, अशोक सिंह,आरबीआई यादव,प्रमोद रंगा,चंद्रपाल सिंह,पुनीत शुक्ला,अमित अग्रवाल,मुकेश सिंह,अमित अवाना,सुनील कुमार,तरुण अरोरा,आशीष, द्वेदी, एवम् शहर के काफी गणमान्य लोग उपस्तिथि थे।

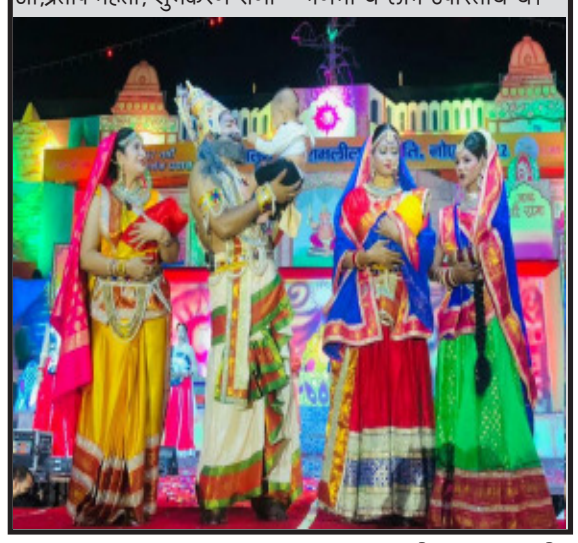

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 72वे जन्मदिन पर सेवा पखवाड़े सप्ताह के अंतर्गत पत्र लिख कर शुभकामनाएं दी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। भाजपा नोएडा महानगर के कार्य कर्ताओ ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 72वे जन्मदिन पर पत्र लिखकर शुभ कामनाएं दी एवं उनके द्वारा 8 वर्षों में किये गए भारत के लिए अनेक लाभकारी योजनाओं व कार्यों का बखान उन पत्रों के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी जी को समर्पित किया। यह कार्यक्रम शहरी विकास मोर्चा द्वारा किया गया। कार्यक्रम जिला मंत्री चमन अवाना के नेत्रत्व में हुआ । उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को मोदी जी के जीवन के बारे में विस्तार से समझाया वह स्वयं भी प्रधानमंत्री मोदी जी को पत्र लिखा। इस अवसर पर शहरी विकास मोर्चा नोएडा महानगर के जिलाध्यक्ष डॉ प्रसनजीत मैत्रा, सह कोषाध्यक्ष सत्यनारायण महावर, हिंदू युवा वाहिनी नोएडा के जिला अध्यक्ष अनुज राघव, नेत्र पाल अवाना, मनोज भारद्वाज ,अरुण शर्मा ,विनोद मिश्रा, संतोष खंडूड़ी, निखिल पंडित, राहुल मुखिया, राम जी चंदेल, एस एस मिश्रा आदि सभी कार्यकर्ताओं ने मिलकर पत्र व पत्रिका लिखी।

इन बड़ी घटनाओं में रहा PFI का हाथ

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पापुलर फ्रंट ऑफ इंडिया को बैन कर दिया है। इतना ही पीएफआई के 8 सहयोगी सगठनों पर 5 साल के लिए प्रतिबंध लगाया गया है।

गृह मंत्रालय के मुताबिक, पीएफआई और उसके सहयोगी संगठनों का संबंध स्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया जैसे अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठनों से है। इतना ही नहीं ये संगठन देश में एक विशेष समुदाय में कट्टरपंथ को बढ़ावा दे रहा है। साथ ही पीएफआई और इसके सदस्य बार-बार देश में हिंसक और आतंकी गतिविधियों में लिप्त पाए गए है। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, ये छापेमारी टेरर फंडिंग, ट्रेनिंग कैंप का आयोजन और लोगों को चरमपंथी बनाने में पीएफआई का हाथ होने के चलते की गई है। एनआईए प्रवर्तन निदेशालय और राज्यों की पुलिस ने 22 सितंबर और 27 सितंबर को पीएफआई पर ताबड़तोड़ छापेमारी की थी। पहले राउंड की छापेमारी में 106 पीएफआई से जुड़े लोग गिरफ्तार हुए थे। दूसरे राउंड की छापेमारी में 239 पीएफआई से जुड़े लोग गिरफ्तार/हिरासत में लिए गए। जांच एजेंसियों को पीएफआई के खिलाफ पर्याप्त सबूत मिले। इसके बाद जांच एजेंसियों ने गृह मंत्रालय से कार्रवाई की मांग की थी। जांच एजेंसियों की सिफारिश पर गृह मंत्रालय ने पीएफआई पर बैन लगाने का फैसला किया।

पेंशन से आधार लिंक न कराने वाले दिव्यांगजन दिव्यांग पेंशन से रह जायेगें वंचित

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी गौतम बुद्ध नगर आशीष कुमार सिंह ने सर्वसाधारण का आह्वान करते हुए जानकारी दी है कि जनपद में ऐसे समस्त दिव्यांगजन जो दिव्यांग भरण-पोषण अनुदान / कुष्ठावस्था पेंशन योजना का लाभ प्राप्त कर रहे है तथा उनके द्वारा अभी तक अपना आधार एवं मोबाइल नंबर विभागीय पोर्टल पर पेंशन डेटाबेस में लिंक नहीं कराया है, को सूचित किया जाता है कि वे दिव्यांगजन विभागीय पोर्टल पर जाकर अपनी दिव्यांग पेंशन डेटाबेस में अपना मोबाईल नम्बर व आधार कार्ड अवश्य लिंक करा लें। उन्होंने बताया कि यदि किसी भी दिव्यांग को दिव्यांग पेंशन डेटाबेस में मोबाईल नम्बर व आधार कार्ड लिंक कराने में कोई समस्या आ रही है तो वे दिव्यांगजन अपनी बैंक पासबुक, आधार कार्ड व मोबाईल नम्बर के साथ अधोहस्ताक्षरी कार्यालय कमरा नंबर 107 में उपस्थित होकर अपना मोबाईल नम्बर व आधार कार्ड पेंशन डेटाबेस में लिंक करा सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि जो दिव्यांगजन अपना आधार एवं मोबाइल नम्बर विभागीय पोर्टल के डेटाबेस में लिंक नहीं करायेगें उनकी आगामी दिव्यांग पेंशन की किश्त उनके खाते में प्रेषित नहीं की जायेगी तथा पेंशन बन्द हो जायेगी।

लेफ्टिनेंट जनरल (रि) अनिल चौहान होंगे नए सीडीएस

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। पिछले साल दिसंबर में पूर्व सीडीएस जनरल बिपिन रावत के हवाई दुर्घटना में निधन के बाद नए सीडीएस की नियुक्ति पर मंथन हो रहा था। आज केंद्र ने सेवानिवृत्त ले. जनरल अनिल चौहान के नाम पर मुहर लगा दी। केंद्र सरकार ने नए सीडीएस की नियुक्ति कर दी है। सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल (रि) अनिल चौहान को अगले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) के रूप में नियुक्त किया है। वह भारत सरकार के सैन्य मामलों के विभाग के सचिव के रूप में भी कार्य करेंगे। रक्षा मंत्रालय ने ये जानकारी दी है। ले. जनरल अनिल चौहान की गोरखा राइफल से सेना में एंट्री हुई थी। पूर्व सीडीएस जनरल बिपिन रावत के निधन के बाद से हो रहा था मंथन पूर्व सीडीएस जनरल बिपिन रावत के हवाई दुर्घटना में निधन के बाद नए सीडीएस की नियुक्ति पर मंथन हो रहा था। आज केंद्र ने इस पर मुहर लगा दी। नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) की नियुक्ति के लिए केंद्र सरकार सेवारत और सेवानिवृत्त, दोनों तरह के सैन्य अधिकारियों के नाम पर विचार कर रही थी। यह पद पिछले साल आठ दिसंबर को देश के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत की एक हवाई हादसे में मौत हो जाने के बाद से खाली था।

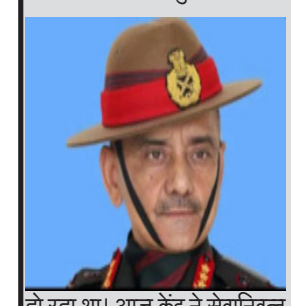

इंडिया एक्सपो सेंटर और मार्ट, को सर्वश्रेष्ठ स्टैंडअलोन कन्वेंशन सेंटर के लिए राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार 2018-19 से सम्मानित किया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। इंडिया एक्सपो सेंटर ऐंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा भारत के सबसे बड़े एकीकृत आयोजन स्थलों में से एक के रूप में अंतरराष्ट्रीय बिजनेस-टू-बिजनेस मेलों, सम्मेलनों, प्रॉडक्ट लॉन्च, और प्रमोशन इवेंट्स एवं अन्य कार्यक्रमों के लिए अन्य

सुविधाओं के बीच प्रौद्योगिकी संचालित, विश्वस्तरीय सुविधाओं और उपयुक्त सुरक्षा मानकों की पेशकश करता है। आज विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार'2022 समारोह में, इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट को श्री जगदीप धनखड़, भारत के महामहिम उपराष्ट्रपति की गरिमामयी उपस्थिति में प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ स्टैंडअलोन कन्वेंशन सेंटर के लिए राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार 2018-19 मिला। इस अवसर पर श्री जी कृष्णा रेड्डी, भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र के पर्यटन, संस्कृति और विकास मंत्री, भारत सरकार, श्री अजय भट्ट, माननीय पर्यटन राज्य मंत्री, भारत सरकार और श्री अरविंद सिंह, आईएएस, सचिव (पर्यटन), भारत सरकार एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। यह पुरस्कार श्री राकेश कुमार, अध्यक्ष, इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड और श्री सुदीप सरकार, सीईओ, इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड ने प्राप्त किया। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 'राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार 2022' समारोह में आज भारत के महामहिम उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने प्रतिष्ठितनैशनल टूरिज्म अवार्ड 2018-19 के बेस्ट स्टैंडआउट कनवेंशन सेंटर का पुरस्कार इंडिया एक्सपो सेंटर ऐंड मार्ट ग्रेटर नोएडा को केंद्रीय पर्यटन मंत्री और पूर्वोत्तर क्षेत्र के संस्कृति एवं विकास मंत्री माननीय श्री जी कृष्ण रेड्डी और केंद्रीय पर्यटन सचिव आईएएस श्री अरविंद सिंह के साथ अन्य गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामय उपस्थिति के दौरान प्रदान किया घ् यह पुरस्कार इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड के अध्यक्ष श्री राकेश कुमार और इंडिया एक्स पोजिशन मार्ट लिमिटेड के सीईओ सुदीप सरकार ने ग्रहण किया इस अवसर पर आईईएमएल के अध्यक्ष श्री राकेश कुमार ने कहा कि आईईएमएल को मिला यह पुरस्कार एक बड़े सम्मान की बात है घ् उन्होंने इंडिया एक्स पोजिशन मार्ट लिमिटेड (आईईएमएल) की पूरी टीम की कड़ी मेहनत और समर्पण को मान्यता देने के लिए भारत सरकार का धन्यवाद दिया साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि निश्चित रूप से यह आईईएमएल के लिए गर्व करने योग्य उपलब्धि है जिसे बीते कुछ वर्षो में कई पुरस्कार मिले है उन्होंने बताया ग्रेटर नोएडा में स्थित यह आयोजन स्थल भारत में एक प्रमुख एमआईसीई गंतव्य है 2,35,000 वर्ग मीटर के कवर क्षेत्र के साथ यह हर प्रकार के बिजनेस इवेंट के लिए सुविधाओं से लैस एक विश्व स्तरीय आयोजन स्थल है इंडिया एक्सपो सेंटर ऐंड मार्ट में भारतीय निर्यातकों के 800 स्थायी शोरूम और 14 बहु उद्देश्यीय हॉल (73,308 वर्ग मीटर), 29 मीटिंग रूम (25,000 लोगों के बैठने की क्षमता और प्रदर्शनी में प्रति दिन दो लाख लोगों तक की क्षमता वाले), 4 ओपन एरिया और 4 स्पेशलिटी रेस्टोरेंट है। इसमें बायर्स लाउंज, फॉरेन एक्सचेंज आउटलेट, लॉजिस्टिक सपोर्ट, 2000 कारों के लिए व्यापक पार्किंग सुविधाएं, वाई फाई और आधुनिक सुरक्षा सुविधाएं मौजूद हैं। इस आयोजन स्थल में जल्द ही परिसर के अंदर ही 134 बिस्तरों वाला एक इन हाउस होटल भी उपलब्ध होगा घ् यहां 34 मेगावाट की अबाध बिजली आपूर्ति सुविधा मौजूद है इस आयोजन स्थल पर ऊर्जा की बचत करना प्राथमिकता रही है और हॉल की छतों पर 3 मेगावाट का सोलर ऊर्जा उत्पादन संयंत्र को स्थापित करना इस प्रयास का ही परिचायक है इसे स्टैंड अलोन एमआईसीई आयोजन स्थल के रूप में आईएसओ 9001:2015, 14001:2015 और 45001:2018 प्रमाणपत्र भी हासिल है ।

धान क्रय केंद्र को लेकर आज कलेक्ट्रेट के सभागार में कार्यशाला का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की मंशा के अनुरूप एवं जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर के निर्देशों के क्रम में किसानों को उनकी धान की फसल का उचित मूल्य उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद में संबंधित अधिकारियों के द्वारा धान क्रय केंद्रों को लेकर निरंतर कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में आज धान क्रय केंद्रों का सुचारू रूप से संचालन करने एवं किसानों को धान की फसल का मानकों के अनुरूप उचित मूल्य उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गौतम बुद्ध नगर वंदिता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में धान क्रय केंद्र को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यशाला का संचालन खाद्य विपणन अधिकारी के द्वारा किया गया। खाद्य विपणन अधिकारी ने अपर जिलाधिकारी को अवगत कराया कि किसानों से धान की खरीद के लिए जनपद में 6 धान क्रय केंद्रों की स्थापना की गई है, जिसमें तहसील दादरी में 1, सदर में 2 तथा जेवर तहसील में 3 क्रय केंद्र सम्मिलित हैं। उन्होंने बताया कि समस्त क्रय केंद्रों की जियो टैगिंग हो चुकी है एवं क्रय केंद्रों को पोर्टल पर सक्रिय करते हुए क्रय केंद्रों पर केंद्र प्रभारी स्टाफ की तैनाती कर दी गई है। अपर जिलाधिकारी ने धान क्रय केंद्रों की तैयारियों को लेकर समीक्षा करते हुए कहा की क्रय केंद्रों पर टोकन पंजिका, क्रय पंजिका, निरीक्षण पंजिका, स्टॉक रजिस्टर, शिकायत पंजिका, बोरा रजिस्टर, धान रिजेक्शन पंजिका, टी0सी0डी0सी0, क्रय तक पट्टी, मूवमेंट चालान आदि अभिलेख अनिवार्य रूप से होने चाहिए। अपर जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए यह भी कहा कि उनके द्वारा समय रहते धान के सभी क्रय केंद्रों पर समस्त तैयारियां मानकों के अनुसार पूर्ण कर ली जाएं ताकि किसानों को धान विक्रय के समय किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना ना करना पड़े और किसानों को माननीय मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप उनकी धान की फसल का उचित मूल्य मिल सके। आयोजित कार्यशाला में संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ साथ केंद्र प्रभारी एवं स्टाफ भी उपस्थित थ।

श्री राम जी के जन्म से अयोध्या में खुशी की लहर

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। श्रीराम मित्र मण्डल नोएडा रामलीला समिति द्वारा सेक्टर-62 के रामलीला मैदान में आयोजित रामलीला मंचन के दूसरे दिन मुख्य अतिथि नवाब सिंह नागर पूर्व मंत्री उत्तरप्रदेश महामंडलेश्वर नवल किशोर दास जी महाराज, जय भगवान गोयल राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रवादी शिव सेना, कांग्रेस नेता अनिल यादव, पंखुड़ी पाठक, सतेंद्र शर्मा, यतेंद्र शर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर लीला का शुभारंभ किया। समिति के अध्यक्ष धर्मपाल गोयल एवं महासचिव मुनन कुमार शर्मा ने अतिथियों को पटका ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। प्रथम दृश्य में राजा दशरथ के संतान न होने के कारण अपने कुलगुरु वशिष्ठ जी के पास जाना, वशिष्ठ जी द्वारा श्रृंगी ऋषि द्वारा शुभ पुत्र कामेष्ठि यज्ञ करवाना। यज्ञ कुंड से अगिन देवता का प्रकट होकर खीर प्रदान करना। राजा दशरथ द्वारा तीनों रानियों कौशल्या, कैकई और सुमित्रा को खीर प्रदान करना और खीर खाकर तीनों रानियों का गर्भवती होने की लीला हुई। भगवान राम के साथ तीनों भाईयों के जन्म लेते ही राजा दशरथ और रानी कौशल्या बड़े ही उत्साहित थे। अवध में चारों ओर बधाई गान गाए गए। कौशल्या जायो लल्ला, अवध में मचो हल्ला, अवध में जनमे रघराई, कौशल्या रानी दे दो बधाई। बाल स्वरूप भगवान राम से मिलने शंकर जी योगी का भेष बनाकर आते है और इसके बाद चारों भाइयों का नाम करण गुरू वशिष्ठ द्वारा किया जाता है। भगवान राम,लक्ष्मण,भरत, शत्रुघन की बाल लीला का मंचन देख दर्शक मंत्र मुग्ध हो जाते हैं। अगले दृश्य में विश्वामित्र का राजा दशरथ के दरबार में आगमन होता है और वहअपने यज्ञ की रक्षा के लिए राम लक्ष्मण को साथ ले जाने के लिए कहते हैं। वशिष्ठ जी के समझाने पर दशरथ जी राम लक्ष्मण को विश्वामित्र के साथ भेज देते हैं। मार्ग में जाते समय मारीच, सुभाहु एवं ताड़का का वध कर देते हैं और अपने परम धाम पहुंचा देते हैं। भगवान राम की आरती के साथ दूसरे दिन की रामलीला का समापन हुआ। इस अवसर पर समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग ,मुख्य संरक्षक मनोज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र गर्ग, सह-कोषाध्यक्ष अनिल गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजकुमार गर्ग सतनारायण गोयल,बजरंगलाल गुप्ता, चौधरी रविन्द्र सिंह, तरुणराज, एस एम गुप्ता, पवन गोयल, आत्माराम अग्रवाल, मुकेश गोयल, मुकेश अग्रवाल, शांतनु मित्तल, मनीष गुप्ता, चन्द्रप्रकाश गौड़, गौरव मेहरोत्रा, मनीष गोयल, अजीत चाहर, आर के उप्रेती, मुकेश गर्ग, गौरव गोयल, ललित कंसल, सुधीर पोरवाल, मनोज सिंघल, सज्जन मित्तल,सुरेंद्र सिंघल, बल्ली जैन, दीपक अग्रवाल, राजकुमार बंसल, गौरव चौधरी, प्रवीण गोयल, अर्जुन अरोड़ा, गौरव गोयल, रोहताश गोयल, बीना बाली, सहित श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के सदस्यगण व शहर के सैकड़ों गणमान्य व्यक्ति उपस्तिथ रहे। रामलीला समिति के महासचिव मुनन कुमार शर्मा ने बताया कि कल 28 सितंबर को ऋषि विश्वामित्र के आश्रम में जनक दूत का आगमन, अहिल्या उद्धार, सीता जन्म, जनक द्वारा शिव धनुष भंग करने की प्रतिज्ञा, जनक बाजार में राम लक्ष्मण के भ्रमण, पुष्प वाटिका में राम सीता भेंट, गौरी पूजन आदि लीलाओं का मंचन किया जायेगा।

सिंगापुर एयरलाइंस की उड़ान में बम की फर्जी अफवाह, एक गिरफ्तार

सिंगापुर। बम होने की फर्जी अफवाह जैसे मामले अक्सर सामने आते रहते है। लेटेस्ट सिंगापुर का है। दरअसल आज यहां की एक उड़ान में सवार युवक ने झूठा दावा किया कि उसके सामान में बम रखा है। यह सुनते ही अन्य यात्रियों के बीच अफरा तफरी मच गई। क्रू ने अपनी ओर से किसी तरह उड़ान में सवार यात्रियों को शांत किया और तुरंत ही एक्शन लिया। बम की अफवाह फर्जी सिंगापुर एयरलाइंस की एक उड़ान में बम की

फर्जी अफवाह का मामला सामने आया। उड़ान में सवार एक यात्री ने ही अपने सामान में बम होने की बात कही जिससे दहशत फैल गई थी। इसके बाद फाइटर जेट को उस उड़ान के पीछे भेजा गया जिसके बाद इसकी लैंडिंग इंटरनेशनल एयरपोर्ट चांगी पर कराई गई। यह जानकारी सिंगापुर अथारिटी ने दी।अथारिटी के अनुसार, 37 वर्षीय शख्स सैन फ्रांसिस्को से उड़ान में सवार हुआ था और दावा किया कि उसके हाथ में जो सामान है उसमें बम है।

महेश बाबू की मां का हुआ निधन हैदराबाद अस्पताल में चल रहा था इलाज

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। साउथ सुपरस्टार महेश बाबू की मां इंदिरा देवी का आज सुबह निधन हो गया। रिपोर्ट्स की मानें तो पिछले कुछ हफ्तों से एक्टर की मां की तबीयत खराब थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में एडमिट किया गया था। हैदराबाद के एआईजी अस्पताल में महेश बाबू की मां का इलाज चल रहा था। तबीयत ज्यादा बिगड़ने की वजह से उनकी मां को अस्पताल में वेंटिलेटर पर रखा गया था, जहां 28 सितंबर 2022 की सुबह एक्टर की मां इंदिरा देवी ने आखिरी सांस ली। महेश बाबू की मां इंदिरा देवी के निधन की दुखद खबर सतीश रेड्डी ने अपने ट्विटर हैंडल पर भी शेयर की है। महेश बाबू की मां के निधन की जानकारी देते हुए सतीश रेड्डी ने लिखा, 'सुपरस्टार महेश बाबू की मां इंदिरा गुरु का निधन हो गया है। उनके परिवार के साथ मेरी संवेदनाए। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। अभिनेता की मां पिछले कुछ समय उम्र से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थी, जिसके बाद बुधवार की सुबह चार बजे उनका देहांत हो गया। रिपोर्ट्स की मानें तो अंतिम दर्शन के लिए महेश बाबू की मां इंदिरा देवी के पार्थिव शरीर को पद्मालय स्टूडियो में सुबह 9 बजे से 12 बजे तक रखा जाएगा, जिसके बाद उनका अंतिम संस्कार होगा और महाप्रस्थानम होगा। महेश बाबू की मां के निधन पर फैंस अपना शोक व्यक्त कर रहे हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो जब इंदिरा देवी अस्पताल में एडमिट थीं, उस दौरान साउथ स्टार महेश बाबू हैदराबाद के एआईजी अस्पताल में उन्हें रोज मिलने के लिए जाते थे। महेश बाबू का अपनी मां इंदिरा देवी से हमेशा एक खास लगाव रहा है। उनके पिता और सुपरस्टार कृष्णा गारू विजया निर्मला से दूसरी शादी की थी। इंदिरा देवी अपने पति कृष्णा गारू से अलग होने के बाद अकेली रह रही थीं, लेकिन महेश बाबू और परिवार के अन्य सदस्य अक्सर उनसे मिलने जाया करते थे। महेश बाबू हमेशा से अपनी मां इंदिरा देवी के काफी करीब रहे हैं। कृष्ण गारू और इंदिरा देवी के घर में जन्में महेश बाबू अपने घर में चौथे बच्चे हैं। आपको बता दें कि इसी साल महेश बाबू के भाई रमेश बाबू का भी स्वास्थ्य खराब होने की वजह से निधन हो गया था।

हाइट को लेकर सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल हुईं अनन्या पांडे

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। बीते दिनों फिल्म 'लाइगर' में नजर आईं थी। जो बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। ऐसे में एक्ट्रेर अब अपने नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर चुकी हैं। इसी बीच उनकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसके बाद उन्हें सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया गया। इस दौरान जिससे भी अनन्या को देखा वह देखता ही रह गया। दरअसल, अनन्या मंगलवार को एक इवेंट में शामिल हुई। इस वीडियो में अनन्या जरूरत से ज्यादा लंबी हाइट में नजर आई। इसकी वजह उनकी हाई हील को बताया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने ब्लैक आउटफिट कैरी किया हुआ है। एक ओर जहां उनके लुक को फैन्स ने पसंद किया तो दूसरी यूजर्स ने जमकर ट्रोल किया। एक यूजर ने लिखा है- आज दुग्गल साहब एयरटेल के टावर बने हैं। तो एक दूसरे ने लिखा- ये हील पहनकर बहुत स्ट्रगल कर रही है। तो वहीं किसी ने लिखा- ये तो सर्कस की जोकर लग रही है। इतना ही नहीं एक यूजर ने तो अनन्या पांडे को बुर्ज खलीफा की छोटी बहन ही कह डाला है। इस वीडियो को सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने शेयर किया है। वैसे यह पहली बार नहीं है जब अनन्या को ट्रोलिंग का शिकार होना पड़ा हो। इससे पहले भी कई बार उन्हें ट्रोल किया गया है। बीते दिनों अनन्या को साउथ सुपरस्टार विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म 'लाइगर' में देखा गया था। अनन्या अब जल्द आयुष्मान खुराना के साथ फिल्म 'ड्रीम गर्ल 2' में नजर आएंगी। इसके अलावा अनन्या पांडे जल्द ही 'कॉल मी बेट नाम की वेब सीरीज में नजर आएंगी, जिसे धर्मा प्रोडक्शन के डिजिटल विंग 'धर्मेटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया जाएगा। इस वेब सीरीज में वो बेहद ही अलग और दिलचस्प रोल निभाती हुई दिखाई देंगी। कहा जा रहा है कि इस सीरीज में वो फैशनिस्टा का रोल अदा करेंगी।

रणबीर कपूर की बर्थडे पार्टी में देर रात लगा सेलेब्स का जमावड़ा, खास अंदाज में पहुंचे आकाश अंबानी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर का आज यानी 28 सितंबर को जन्मदिन है। आज रणबीर पूरे 40 साल के हो गए हैं। शादी के बाद आलियाभट्ट संग उनका ये पहला बर्थडे है, जो कि बेहद ही खास है। इस खास दिन को और भी खास बनाने के लिए बॉलीवुड के कई सितारे रणबीर को विश करने के लिए तोहफों के साथ देर रात उनके घर पहुंचे हैं। इस दौरान की कई तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं। श्र रणबीर कपूर ने शादी के बाद अपने पहले जन्मदिन को अपनी प्रेगनेंट पत्नी आलिया के साथ खास बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने अपने घर पर एक शानदार पार्टी रखी, जिसमें बॉलीवुड से लेकर बिजनेस क्लास तक की कई बड़ी हस्तियों को इनवाइट किया। इस मौके पर सबसे पहले आलिया भट्ट की बहन शाहीन भट्ट, रणबीर के घर पहुंची। बता दें कि वो रिश्ते में रणबीर की साली लगती है। दोनों एक दूसरे के काफी क्लोज है। शाहीन के अलावा रोहित धवन भी पतने जाह्नवी देसाई धवन और फिल्म मेकर करण जौहर भी रणबीर के घर पहुंचे। बता दें कि करण, आलिया को अपनी अपनी बेटी मानते है। वहीं अयान मुखर्जी ने भी इस मौके पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। बिजनेसमैन अनिल अंबानी के बेटे आकाश अंबानी भी खास गेस्ट बनकर रणबीर कपूर के बर्थडे पर पहुंचे। आकाश ने बेहद ही कड़ी सुरक्षा के बीच एक्टर के घर में एंट्री मारी। इस दौरान कई सारे गार्ड उनकी सिक्योरिटी के लिए मौजूद थे। इस दौरान का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दोनों ब्रह्मास्त्र फिल्म में जुड़ने से पहले से ही दोस्त रहे हैं ।

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की 'पुष्पा 2' को लेकर सामने आया बड़ा अपडेट, जानिए कब शुरू होगी शूटिंग

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म पुष्पा के सीक्वल पुष्प द रूल को लेकर काफी बज बना हुआ है। फिल्म का पहला पार्ट रिलीज होने के बाद से ही फैंस सीक्वल से जुड़े हर अपडेट का बेसब्री से इंतजार करते हैं। वहीं, फिल्म से जुड़े अपडेट नए अपडेट सामने आते रहते हैं अब फिल्म की शूटिंग से जुड़ी बड़ी जानकारी सामने आ रही हैं, जिसमें दावा किया जा रहा है कि पुष्पा 2 की शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है। दसमाचार एजेंसी आईएएनएस की खबर के मुताबिक, अल्लू अर्जुन अगले महीने यानी अक्टूबर में मध्य में पुष्पा द रूल की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। इन दिनों अभिनेता के फिल्म में लुक पर काम चल रहा है और जल्द ही उनका ये लुक फैंस के सामने आ सकता है। आपको बता दें, इन दिनों पुष्पा द राइज के सीक्वल की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। बीते महीने मेकर्स ने फिल्म की सेरेमनी पूजा का आयोजन किया था। लेकिन तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में चल रही हड़ताल की वजह से पुष्पा द रूल की शूटिंग शुरू नहीं हो पाई थी। इससे पहले जानकारी आई थी कि पुष्पा पार्ट 2 में साउथ के सुपरस्टार एक्ट्रेस साई पल्लवी की एंट्री हो गई हैं। इस फिल्म में एक आदिवासी लड़की की भूमिका के लिए अप्रोच किया गया है और उन्होंने इस किरदार के लिए अपनी सहमति दे दी है। वो जल्द ही शूटिंग शुरू कर देंगी। हालांकि, अभी इस बारे में कोई भी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।पुष्पा के दूसरे पार्ट की शूटिंग जल्द शुरू होने वाली है। बताया जाता है कि इसके एक्शन सीक्वेंस भारतीय सिनेमा के अब तक के सबसे महंगे दृश्यों में शामिल होंगे फिल्म 2023 के मिड या लास्ट में रिलीज हो सकती है। पुष्पा- द रूल 17 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था। फिल्म के हिंदी वर्जन ने 100 करोड़ से अधिक नेट कलेक्शन किया। अल्लू अर्जुन की यह पहली फिल्म है, जिसे हिंदी बेल्ट में भी इतने बड़े पैमाने पर रिलीज किया गया था।

1000 करोड़ फीस पर सलमान खान ने तोड़ी चुप्पी, कहा 'इनकम टैक्स और ईडी भी नोटिस करता है

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। टीवी का अब तक का सबसे विवादित शो 'बिग बॉस' का नया सीजन 16 जल्द ही शुरू होने जा रहा है। हर बार की तरह ही इस सीजन को लेकर भी दर्शकों में काफी बज बना हुआ है। शो के कंटेस्टेंट के नाम से लेकर इसकी थीम, नए नियमों और इन सबसे ज्यादा शो के होस्ट सलमान खान की फीस को लेकर हमेशा ही चर्चा बनीं रहती है। हर नए सीजन के साथ ही हर कोई जानने के लिए बेताब रहता है कि इस बार सलमान कितनी फीस चार्ज कर रहे है। इस बार भी उनकी फीस को लेकर कई सारी खबरें सामने आ रही है। कोई लाखों में तो कोई करोड़ों में बात कर रहा है। हाल ही में खबर आई थी कि सलमान खान को एक एपिसोड को होस्ट करने के लिए एक हजार करोड़ रुपये मिल रहे हैं। वहीं अब खुद सलमान ने अपनी भारी भरकम फीस की खबरों पर चुप्पी तोड़ी है। बिग बॉस 16' के लाइव इवेंट में सलमान खान से मीडिया उनकी फीस को लेकर सवाल पूछा। हर सजीन आपकी फीस को लेकर खबरें आती है। इस सीजन आपकी फीस 1000 करोड़ रुपये है। ये सुनते ही सलमान बार-बार बोलते रहे कि ये झूठ है। इसके बाद वो एक हजार रुपये फीस पर बोले कि, अगर मुझे इतना मिल जाए ना तो मैं लाइफ में काम न करूं, लेकिन एक दिन ऐसा आएगा जब मिलेगा। वहीं अगर ये मिल जाए ना जो प्राइज है तो मेरे लाइफ में बहुत सारे ऐसे खर्चे है जो सब उसमें चला जाता है। सलमान ने आगे कहा, 'वकील भी हमारे सलमान खान है। यहां पर सलमान खान कमाता है, वहां पर सलमान खान ले जाता है।' इसके बाद फिर से कहा कि चलो एक हजार नहीं तो 999 ही सही। फिर सलमान कहते है, 'अरे कुछ नहीं है ऐसा उसका एक तिहाई भी नहीं है। ये वही है जो आप लोग बढ़ा चढ़ा कर फिगर निकालते है और फैंस निकालते है कि हजार करोड़ - हजार करोड़। भाई इनकम टैक्स वाले और ईडी भी नोटिस करता है। वो आते है फिर उनको पता चलता है कि हकीकत क्या है सलमान ने एक बार फिर से बड़ी ही सफाई के साथ अपनी फीस को छुपा लिया।

माधुरी के चेहरे को ये क्या हुआ वीडियो देख यूजर्स बोले- पहले ज्यादा अच्छी लगती थीं

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। बॉलीवुड की 'धक-धक गर्ल' माधुरी दीक्षित ने एक्टिंग के साथ-साथ अपनी प्यारी स्माइल से भी लाखों लोगों का दिल जीता है। उनकी मिलियन डॉलर स्माइल हमेशा से ही लोगों को अपना दीवाना बनाती आई है। लेकिन लगता है अब फैंस को उनकी स्माइल कुछ ज्यादा पसंद नहीं आ रही। जिस हंसी और चेहरे पर कभी फैंस मर मिटते थे, उसी पर अब माधुरी को ट्रोल करना शुरू कर दिया गया है। यूजर्स उन्हें प्लास्टिक ब्यूटी तक कह रहे हैं। दरअसल, माधुरी दीक्षित का एक वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें वह ग्रीन कलर की ट्रेडिशनल ड्रेस में पोज देती नजर आ रही हैं। लेकिन, फैंस को इस फोटोशूट में वो बात नहीं नजर आ रही, जो पहले कभी नजर आती रही हो। फैंस ने माधुरी को बोटॉक्स कराने के लिए ट्रोल करना शुरू कर दिया है। यूजर्स इनके फेस को लेकर कई बातें कर रहे हैं। वीडियो में माधुरी जब स्माइल कर रही है, तो यूजर्स को आर्टिफिशियल और फेक लग रही है। कुछ लोग उनसे सवाल कर रहे हैं कि क्या वाकई में उन्होंने बोटॉक्स कराया है एक यूजर ने पूछा, 'माधुरी का चेहरा इतना भरा हुआ क्यों लग रहा है? वह पहले ऐसी नहीं लगती थीं।' तो वहीं एक अन्य यूजर ने कहा कि माधुरी पहले ज्यादा अच्छी लगती थीं। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब माधुरी को फेस सर्जरी के ट्रोल किया जा रहा है। पिछले कई दिनों से माधुरी के चेहरे पर कमेंट्स किए जा रहे हैं। फिलहाल, एक्ट्रेस ने इस पर कोई जवाब नहीं दिया है। वर्क फ्रंट की बात करें, तो माधुरी इन दिनों डांस रियलिटी शो 'झलक दिखला शो' को जज करती नजर आ रही हैं। उनके साथ करण जौहर और नोरा फेतही भी शो में को-जज हैं। माधुरी इससे पहले भी झलक के कई सीजन होस्ट कर चुकी हैं। माधुरी ने इसी साल 'द फेम गेम' से ओटीटी डेब्यू किया था।

दीपिका पादुकोण की फिर बिगड़ी तबीयत, बेचैनी की शिकायत के बाद अस्पताल में कराया भर्ती

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण को सोमवार रात बेचैनी की शिकायत के बाद मुंबई स्थित ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। फिलहाल एक्ट्रेस की तबीयत ठीक बताई जा रही है। समाचार वेबसाइट पिंकविला की खबर के अनुसार, दीपिका को बेचैनी की शिकायत होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां कई टेस्ट किए गए। इसमें कथित तौर पर मंगलवार की दोपहर तक का समय लगा।जानकारी के मुताबिक,अभिनेत्री स्थिति गंभीर होने के बाद उनकी टीम ने उन्हें ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में भर्ती कराया। हालांकि, अभी तक उनके स्वास्थ्य के बारे में उनकी टीम ने कोई भी आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है और ना ही इस बारे में पुष्टि की है। विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स में फिलहाल दीपिका की तबीयत ठीक बताई जा रही है। कुछ दिनों पहले एक्ट्रेस को प्रोजेक्ट के की शूटिंग के दौरान हैदराबाद में ह्रदय गति बढ़ने की शिकायत के बाद पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हाल ही में दीपिका पादुकोण ने पठान से अपना फर्स्ट लुक रिलीज शेयर किया था, जिसमें वो अपने हाथों में एक गन लिए हुए दिख रही है। एक्ट्रेस के इस फर्स्ट लुक को देखकर मालूम होता है कि पठान में शाह रुख खान के साथ धमाकेदार एक्शन करते हुए नजर आएंगी। पठान में दीपिका की भूमिका के बारे में फिल्म निर्माताओं ने अभी खुलासा नहीं किया है। पठान में शाह रुख खान और दीपिका पादुकोण के अलावा अभिनेता जॉन अब्राहम भी नजर आने वाले है। ये फिल्म अगले साल जनवरी में गणतंत्र दिवस के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पठान के अलावा एक्ट्रेस प्रोजेक्ट के, द इंटर्न और फाइटर में भी मुख्य किरदार में नजर आने वाली है।

आलिया भट्ट के साथ इस आलीशान घर में रहते हैं रणबीर कपूर, करोड़ों में है इसकी कीमत

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। रणबीर कपूर 28 सितम्बर को अपना 40वां जन्मदिन मना रहे हैं। रणबीर बॉलीवुड के कपूर परिवार की चौथी पीढ़ी के एक्टर हैं, जिन्होंने अपने शानदार अभिनय से करोड़ो लोगों का दिल जीता। हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म ब्रह्मास्त्र ने दुनिया भर में 400 करोड़ से भी ज्यादा की कमाई कर डाली। इस फिल्म में रणबीर की जोड़ी पत्नी आलिया भट्ट के साथ नजर आई। जन्मदिन के इस मौके पर हम आपको एक्टर के घर की तस्वीरें दिखा रहे हैं जहां उन्होंने पांच महीने पहले आलिया संग सात फेरे लिए थे। परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में अपने वास्तु हाउस में धूम-धाम से शादी की थी। रणबीर कपूर साल 2016 में पिता ऋषि कपूर और मम्मी नीतू कपूर से अलग होकर पाली हिल स्थित वास्तु अपार्टमेंट में रहने लगे थे। इससे पहले रणबीर कपूर अपने पेरेंट्स के साथ चेंबूर वाले खानदानी घर में रहते थे। इस घर का इंटीरियर गौरी खान ने किया है। तस्वीरों में देख सकते हैं रणबीर- आलिया का यह घर कितना खूबसूरत है। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट को व्हाइट कलर बेहद पसंद है जिसके चलते इस कपल के घर पर व्हाइट कलर का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल किया गया है। रॉयल और एंटीक चीजों को इस हाउस में इस्तेमाल की गई है। इस तस्वीर में रणबीर-आलिया के घर का लिविंग एरिया साफ नजर आ रहा है, जिसे बेहद खूबसूरत तरीके से डिजाइन किया गया है। जहां येलो कलर के सौफे और कार्पेट बिछाए गया है। यहां कि खिड़कियों को पिंक और येलो कलर के फूलों से सजाया गया है। खबरों की माने तो इस घर की कीमत करीब 16 करोड़ रुपये है। शादी के दौरान रणबीर ने अपने घर को कुछ इस तरह से सजवाया था। चारों और लाइट्स और फूलो से उन्होंने अपने घर को और भी खूबसूरत बनाया था। करीब पांच साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद इस कपल ने धूमधाम से शादी रचाई। दोनों की लव स्टोरी की शुरुआत ब्रह्मास्त्र के सेट पर हुई थी। ये सच है कि रणबीर कपूर ने अपने दम पर फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई है। वो लग्जरी लाइफ जीते हैं। खबरों के मुताबिक रणबीर कपूर के पास 322 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति है और वो एक महीने में 3 करोड़ से ज्यादा कमा लेते हैं। ये साल शुरुआत से ही रणबीर कपूर के लिए बेहद खास साबित हो रहा है। एक तरह जहां उन्होंने आलिया भट्ट के साथ नई जिंदगी की शुरुआत की।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डा0 दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।